देश के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक ने अगस्त 2025 में 4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 273 | रायपुर | मंगलवार 30 सितंबर 2025 | विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

केन्या नौसेना के कमांडर मेजर जनरल पॉल ओवुओर ओटीनो का दौरा

हवन पूजन में शामिल हुईं सीएम रेखा गुप्ता, पीएम मोदी किये उद्घाटन

भाजपा की दिल्ली इकाई को मिलेगा नया भवन

एजेंसी नई दिल्ली।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दीन दयाल उपाध्याय मार्ग स्थित भाजपा के नए दिल्ली मुख्यालय में हवन पूजन किया। इस अवसर पर दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, आशीष सूद और प्रवेश वर्मा भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को इस कार्यालय का उद्घाटन किये।

उन्होंने कहा कि मैं भाजपा कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं देती हूं कि यह कार्यालय बनकर तैयार हुआ और प्रधानमंत्री मोदी के हाथों से इसका उद्घाटन होगा। खुद को पार्टी की एक कार्यकर्ता बताते हुए सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि मुझे भी इस नए कार्यालय को लेकर खुशी है। उन्होंने कहा, मैं स्वयं एक कार्यकर्ता हूं और मुझे खुशी है कि सभी कार्यकर्ता इस कार्यालय में अपने भविष्य की नींव रख सकते हैं।

दिल्ली सरकार में मंत्री आशीष सूद ने से कहा कि भाजपा की दिल्ली इकाई के नए कार्यालय में अभी हवन पूजन किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी यहां आकर इसका उद्घाटन करेंगे। भाजपा कार्यकर्ता आधारित जन संगठन है। न सिर्फ कार्यकर्ताओं के विकास का, बल्कि जन सेवाओं के लिए प्रेरित करने का केंद्र कार्यालय को मानकर भारतीय जनता पार्टी काम करती है।

यमुना के दोनों तरफ होगी छठ पूजा, हम करेंगे व्यवस्था : सीएम

दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने घोषणा की है कि आस्था का छठ पर्व इस बार यमुना नदी के दोनों किनारों पर आयोजित किया जाएगा। यमुना के किनारों पर छठ पूजा को लेकर विशेष प्रबंध किए जाएंगे ताकि व्रतधारियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। मुख्यमंत्री का यह भी कहना है कि यमुना नदी के अलावा जहां कहीं भी छठ पूजा का आयोजन होगा, सरकार वहां पूरी व्यवस्था की निगरानी करेगी। मुख्मयंत्री के अनुसार आस्था, प्रकृति और भावनाओं से जुड़े इस पर्व को सुरक्षित, स्वच्छ और सुव्यवस्थित ढंग से मनाना हमारी सरकार की प्राथमिकता है।

पल्ला से ओखला तक होंगे विशेष इंतजाम

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस बैठक में उन्होंने विभिन्न विभागों को निर्देश जारी कर दिए हैं। उन्होने कहा कि पल्ला से लेकर वजीराबाद तक के किनारों पर तो विशेष व्यवस्था की ही जाएगी, साथ ही आईटीओ, ओखला जैसे पुराने स्थलों पर भी व्यवस्थाएं और दुरुस्त की जाएंगी। मुख्यमंत्री के अनुसार अधिकारियों को आदेश जारी किए गए हैं कि छठ पूजा के दौरान वहां सफाई व स्वच्छता का पूरा ध्यान रखा, व्रतधारियों व उनके अपनों को धूल आदि की परेशानी से बचाने के लिए पानी का छिड़काव किया जाए, पुलिस व ट्रैफिक पुलिस को वहां सुरक्षा व यातायात व्यवस्था चौकस रखने के आदेश जारी किए गए हैं। आश्वयकता हुई तो पूजा स्थलों पर चिकित्सा सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने कहा कि सिंचाई विभाग को छठ पर्व से पूर्व यमुना से जलकुंभी निकालने के भी आदेश जारी किए गए हैं। इस बार इन स्थलों पर प्रकाश की विशेष व्यवस्था की जाएगी ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

उन्होंने कहा कि सरकारी भवन से हटकर अब भाजपा की दिल्ली इकाई अपने खुद के भवन में आएगी। यह एक सार्थक भवन होगा, जहां दिल्ली की जनता की सेवा हो पाएगी। भाजपा सांसद कमलजीत सहरावत ने कहा कि दिल्ली में भाजपा इकाई को स्थायी पता मिला है। यह बहुत महत्वपूर्ण दिन है और यह दिन तब आया है, जब दिल्ली में भाजपा की सरकार है, सभी सात सांसद भाजपा के हैं और मेयर भी भाजपा से हैं।

यमुना में विसर्जन की मनाही है, पूजा आदि की नहीं छठ पर्व की तैयारियों को लेकर आज मुख्यमंत्री ने दिल्ली सचिवालय में एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की। बैठक में सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री आशीष सूद, श्री कपिल मिश्रा, मुख्य सचिव श्री धर्मेंद्र के अलावा संबंधित विभागों के आला अधिकारी उपस्थित थे। छठ पर्व की तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों से बातचीत की, जानकारी ली और आवश्यक निर्देश जारी किए। मुख्यमंत्री ने बताया कि नियमों के अनुसार यमुना नदी में विसर्जन की मनाही है और छठ पर्व के अनुष्ठानों में विसर्जन का कोई प्रावधान नहीं है। उन्होंने कहा कि राजधानी में पूर्वांचलवासियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है, इसलिए उनकी धार्मिक आस्था व सुविधा को ध्यान में रखते हुए दिल्ली में यमुना के प्रवेश स्थल पल्ला से लेकर अंतिम स्थल ओखला तक दोनों किनारों पर छठ पर्व का आयोजन किया जाएगा।

पाकिस्तान पर भारत की जीत से राहुल गांधी और कांग्रेस सदमे में : अमित

नई दिल्ली एजेंसी।

एशिया कप फाइनल में भारत की शानदार जीत के बाद सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला किया। अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ऐसा लगता है कि एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की शानदार जीत से राहुल गांधी और पूरी कांग्रेस सदमे में है। जैसे ऑपरेशन सिंदूर के बाद, जब वे भारतीय सेना को उसके शानदार ऑपरेशन के लिए बधाई नहीं दे पाए थे, अब वे भी भारतीय क्रिकेट टीम की सफलता पर देश के साथ जश्न मनाने से पहले पाकिस्तान में अपने हैंडलर मोहसिन नकवी से इजाजत का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने आगे लिखा, यह तो अलग बात है कि टूर्नामेंट में पाकिस्तान को तीन बार हराने और एशिया कप जीतने पर हमारी राष्ट्रीय टीम को बधाई देने के लिए कांग्रेस की तरफ से सोशल मीडिया पर एक भी पोस्ट नहीं आया। एक बार फिर, पाकिस्तान, राहुल गांधी और कांग्रेस एक ही खेमे में नजर आ रहे हैं।

रेल मंत्री ने 7 ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी, छठ पूजा को लेकर किया बड़ा ऐलान

नई दिल्ली एजेंसी

नवरात्रि के पावन अवसर पर भारतीय रेलवे ने बिहार को सात नई ट्रेनों की सौगात दी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तीन अमृत भारत समेत सात ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। इसमें मुजफ्फरपुर-चरलापल्ली जंक्शन, दरभंगा-मदार जंक्शन और छपरा-आनंद विहार टर्मिनल तीन अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें शामिल हैं।

उन्होंने आगे कहा, मुजफ्फरपुर-चरलापल्ली जंक्शन, दरभंगा-मदार जंक्शन और छपरा-आनंद विहार टर्मिनल के बीच तीन नई अमृत भारत ट्रेनें शुरू की जा रही हैं। इसके अलावा, चार पैसेंजर ट्रेनें भी आज से शुरू की गई हैं। पीएम मोदी और सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में तेजी से विकास किया जा रहा है और मैं उम्मीद करता हूं कि आने वाले दिनों में बिहार नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने छठ पूजा के लिए स्पेशल ट्रेनों की घोषणा की। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में छठ पूजा के दौरान बिहार के लिए 12,000 विशेष ट्रेनें चलाने का फैसला किया गया है। इसके अतिरिक्त, 150 ट्रेनें रिजर्व रखी जाएंगी, जिन्हें आवश्यकता पड़ने पर संचालित किया जाएगा।

उन्होंने आगे कहा, पीएम मोदी के नेतृत्व में रेलवे में तेजी से कार्य किया गया। बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए कदम उठाए गए हैं। एक लाख करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट आज बिहार में चल रहे हैं।

रक्षा मंत्री ने नई दिल्ली में आईसीजी कमांडरों के सम्मेलन को संबोधित किया

एजेंसी

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 29 सितंबर, 2025 को नई दिल्ली स्थित आईसीजी मुख्यालय में 42वें भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) कमांडरों के सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। उन्होंने बल की व्यावसायिकता और मानवीय सेवा की सराहना की और भारत के 7,500 किलोमीटर लंबे समुद्र तट और द्वीपीय क्षेत्रों की सुरक्षा में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रेखांकित की। 28 से 30 सितंबर, 2025 तक आयोजित होने वाला यह तीन दिवसीय सम्मेलन, उभरती समुद्री सुरक्षा चुनौतियों और हिंद

महासागर क्षेत्र के बढ़ते सामरिक महत्व की पृष्ठभूमि में, सामरिक, प्रचालनगत और प्रशासनिक प्राथमिकताओं पर विचार-विमर्श करने के लिए सेना के वरिष्ठ नेतृत्व को एकत्रित करता है। रक्षा मंत्री ने आईसीजी को राष्ट्रीय सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बताया, जिसने अपनी शुरुआत में एक मामूली बेड़े से खुद को 152 जहाजों और 78 विमानों के साथ एक दुर्जेय बल में बदल लिया है।

भारत-भूटान के बीच 4000 करोड़ के रेल प्रोजेक्ट को मंजूरी, रिश्ते होंगे मजबूत

एजेंसी

भारत-भूटान रेल कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट को मंजूरी मिल गई है. केंद्र सरकार ने 4000 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी दी है. भारत-भूटान रेल परियोजना चार साल में पूरी होगी. कोकराझार से गेलपु (भूटान) 69 किलोमीटर की रेल लाइन पर 3546 करोड़ खर्च होंगे. साथ ही बंगाल के बानरहाल से समत्से (भूटान) 20 किमी लंबी रेलवे लाइन पर 577 करोड़ खर्च होंगे. भारत और भूटान के बीच रेल कनेक्टिविटी को मजबूती देने के लिए सरकार ने दो बड़े प्रोजेक्ट मंजूर किए हैं. इन पर कुल 4,033 करोड़ रुपये खर्च होंगे. पहला प्रोजेक्ट कोकराझार (असम) से गालेफू (भूटान) तक नई रेल लाइन बनाने का है.

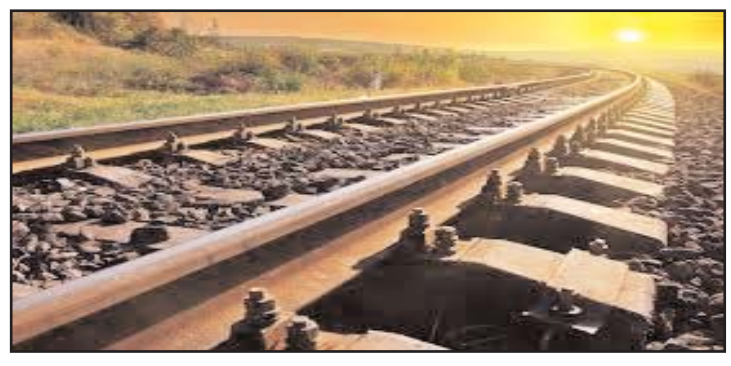

इसकी लंबाई 69 किलोमीटर होगी और इस पर 3,456 करोड़ रुपये खर्च होंगे. दूसरा प्रोजेक्ट बनरहाट (भारत) से समत्से (भूटान) तक 20 किलोमीटर लंबी नई रेल लाइन बनाने का है. इस पर 577 करोड़ रुपये खर्च होंगे. इन दोनों रेल लाइनों के बनने से भारत-भूटान के बीच संपर्क और मजबूत होगा. भारत-भूटान के बीच व्यापार और पर्यटन को नई रफ्तार मिलेगी और सीमा क्षेत्रों के लोगों को भी बड़ा फायदा होगा.

भारत-भूटान के रिश्ते होंगे और मजबूत रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत और भूटान के रिश्ते लगातार मजबूत हो रहे हैं. भारत, भूटान का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और उसके अंतरराष्ट्रीय व्यापार में भारतीय बंदरगाह अहम भूमिका निभाते हैं. भूटान के समत्से और गालेफू बड़े एक्सपोर्ट-इंपोर्ट (EXIM¤) हब हैं,जो भारत-भूटान की करीब 700 किलोमीटर लंबी सीमा को जोड़ते हैं. भारत ने भरोसा दिया है कि भूटान के इन आर्थिक केंद्रों को बेहतर कनेक्टिविटी देने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे. इससे दोनों देशों के बीच व्यापार और लोगों की आवाजाही और आसान होगी. रेल मंत्री ने कहा कि भारत और भूटान को जोडऩे वाली कोकराझार (असम) से गालेफू (भूटान) तक नई रेल लाइन बनाने का काम शुरू हो रहा है. इस प्रोजेक्ट पर करीब 3,456 करोड़ रुपये खर्च होंगे और इसे पूरा करने में 4 साल लगेंगे।

7 अक्टूबर को IOC की 25 यूनियनों की राष्ट्रव्यापी हड़ताल: देशभर में पेट्रोल-डीजल संकट, रोज़ाना हजारों करोड़ के नुकसान का अंदेशा

संवाददाता, देश की ऊर्जा आपूर्ति पर सबसे बड़ा खतरा मंडरा रहा है. इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (IOC) की 25 यूनियनों ने 7 अक्टूबर को राष्ट्रव्यापी हड़ताल का ऐलान कर दिया है. यूनियनों ने साफ कर दिया है कि अब उनकी सहनशीलता की सीमा समाप्त हो चुकी है. यदि प्रबंधन और सरकार ने समय रहते ठोस आश्वासन नहीं दिया तो देशभर की सभी रिफ़ाइनरियाँ, पाइपलाइन, डिपो और फैक्ट्रियाँ पूरी तरह बंद कर दी जाएँगी. यह बंदी सिर्फ प्रशासनिक टकराव नहीं होगी, बल्कि देश की ऊर्जा सुरक्षा और अर्थव्यवस्था को सीधे झटका देने वाली साबित होगी।

भारतीय नौसेना के जहाज तमाल और सूरत सऊदी अरब के जेद्दाह पहुंचे

पीआईबी

तलवार श्रेणी के स्टील्थ फ्रिगेट का आठवां जहाज आईएनएस तमाल और भारतीय नौसेना का नवीनतम स्वदेश निर्मित निर्देशित मिसाइल विध्वंसक आईएनएस सूरत क्रमशः 27 और 28 अगस्त 2025 को सऊदी अरब के जेद्दा पहुंचे।

पोर्ट कॉल के दौरान, चालक दल रॉयल सऊदी नौसेना बलों (आरएसएनएफ) और सीमा रक्षकों के साथ खेल गतिविधियों, नौसेना सुविधाओं से परिचित होने और भारत और सऊदी अरब के बीच संबंधों को और भी अधिक मजबूत करने को लेकर चर्चा के माध्यम से जुड़ेगा। भारतीय पक्ष आरएसएनएफ सीमा रक्षकों,

राजनयिकों, प्रवासी समुदाय के प्रमुख सदस्यों और स्थानीय सरकारी अधिकारियों के वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों के लिए सांस्कृतिक आदान-प्रदान का आयोजन करेगा। यह यात्रा सऊदी अरब के साथ रक्षा सहयोग और मैत्रीपूर्ण संबंधों को मजबूत करने की भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह यात्रा दोनों नौसेनाओं को सर्वोत्तम प्रणालियों को साझा करने और आगे की सहभागिता के अवसर तलाशने का मौका भी प्रदान करेगी।

विदेश | **ट्रंप के 100 फीसदी टैरिफके बाद फैसला**

भारतीय दवा उत्पादों से चीन ने पूरा 30% शुल्क हटाया

एजेंसी।

नई दिल्ली. चीन ने भारत के दवा उत्पादों पर 30 फीसदी आयात शुल्क को घटाकर शून्य कर दिया है। चीन ने यह कदम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से फार्मा आयात पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने के ठीक बाद उठाया है। इस फैसले के बाद भारत की दवा बनाने वाली कंपनियां बिना किसी सीमा शुल्क के चीन को दवाएं निर्यात कर सकेंगी.

ट्रंप के टैरिफ से अमेरिकी बाजार में लागत बढऩे के बीच चीन का यह फैसला भारतीय कंपनियों को सस्ती दवाओं की मजबूत मांग वाले वैकल्पिक बाजार के तौर पर उभर सकता है। इससे आने वाले समय में भारतीय दवा निर्यात में अरबों

डॉलर की बढ़ोतरी हो सकती है।

ट्रंप ने फार्मा उत्पादों पर 100 फीसदी टैरिफका किया था एलान

दो दिन पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने फार्मा उत्पादों सहित कई चीजों पर आयात शुल्क बढ़ा दिया था। इनमें फार्मा उत्पादों पर 100 फीसदी का शुल्क प्रमुख था। यह बढ़ा हुआ शुल्क एक अक्तूबर से प्रभावी होगा। जिसके बाद दवाइयों से लेकर भारी ट्रकों तक आयातित सामान महंगे हो जाएंगे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिन उत्पादों पर टैरिफ की घोषणा की थी उनमें, किचन कैबिनेट, बाथरूम वैनिटी, गद्देदार फर्नीचर और भारी ट्रकों शामिल थे। उन्होंने कहा था कि दवाइयों पर 100 फीसदी, किचन कैबिनेट और बाथरूम वैनिटी पर 50 फीसदी, फर्नीचर पर 30 फीसदी और भारी ट्रकों पर 25 फीसदी आयात कर लगाया जाएगा.

भारत पर पड़ सकता है ट्रंप के नए टैरिफका असर

ट्रंप के दवाओं के आयात पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने के फैसले का भारत पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। खासकर देश के दवा निर्माण उद्योग पर। बीते वित्त वर्ष में भारतीय उद्योगों की तरफ से दुनिया को करीब 2.5 लाख करोड़ रुपये (27.9 अरब डॉलर) की दवाओं का निर्यात हुआ था। इसमें अमेरिका को ही करीब 77 हजार करोड़ रुपये (8.7 अरब डॉलर) की दवाएं निर्यात हुई थीं.भारत के दवा निर्माताओं के लिए अमेरिका सबसे बड़ा बाजार रहा है। 2025 के पहले छह महीनों में ही अमेरिका को कुल 32 हजार 505 करोड़ रुपये (3.7 अरब डॉलर) की दवाओं का निर्यात हो चुका है। ऐसे में 100 फीसदी टैरिफ लगने से अमेरिका में भारत की सस्ती दवाएं भी महंगी दरों पर बिकेंगी.

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में भड़की बगावत, हजारों लोग सड़कों पर उतरे

अवामी एक्शन कमेटी की प्रमुख मांगें

पिछले कुछ महीनों में लोकप्रिय हुई अवामी एक्शन कमेटी ने 38 सूत्रीय चार्टर पेश किया है. इसमें प्रमुख मांगें है- पीओके विधानसभा में पाकिस्तानी शरणार्थियों के लिए आरक्षित 12 सीटों को खत्म करना. मंगला हाइड्रो प्रोजेक्ट से जुड़ी बिजली पर उचित दरें लागू करना. सब्सिडी वाला आटा उपलब्ध कराना. इस्लामाबाद द्वारा किए गए लंबित सुधारों को लागू करना. इस आंदोलन से बड़ी संख्या में युवा जुड़े हैं और इसे लगातार व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है..

एजेंसी ।

इस्लामाबाद. पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं. पाकिस्तानी हुकूमत की नीतियों और अत्याचार से तंग जनता अब खुलकर सड़कों पर उतर आई है. अवामी एक्शन कमेटी (एएसी) के नेतृत्व में बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी आंदोलन शुरू हो गया है. सोमवार को यहां हड़ताल का ऐलान किया गया, जिसके चलते शहरों में लॉकडाउन जैसे हालात बन गए।

मुजफ्फराबाद से लेकर कोटली तक हजारों लोग प्रदर्शन में शामिल हुए. बाजार पूरी तरह बंद हैं, सड़कें जाम हैं और पब्लिक ट्रांसपोर्ट रुक गया है. प्रदर्शनकारियों ने इंसाफ और हक के नारे लगाते हुए पाकिस्तानी सरकार के खिलाफ जोरदार विरोध जताया.

पीओके को कॉलोनी समझती है सरकार एएसी नेता शौकत नवाज मीर ने कहा हमारा संघर्ष उन बुनियादी अधिकारों के लिए है, जिन्हें 1947 से हमें नकारा जा रहा है. पाकिस्तान सरकार क्श्य को अपने कॉलोनी की तरह ट्रीट करती है, जबकि हम समान अधिकारों वाले नागरिक हैं.

दमनकारी कदम उठा रही पाक सरकार तेजी से फैल रहे विरोध को देखते हुए पाकिस्तानी प्रशासन ने सख्त कदम उठाने शुरू कर दिए हैं. कई इलाकों में सुरक्षा बलों की भारी तैनाती की गई. इंटरनेट सेवाओं पर रोक लगा दी गई. मुजफ्फराबाद समेत कई शहरों में प्रवेश और निकासी बिंदुओं पर अवरोधक लगा दिए गए. इस्लामाबाद से अतिरिक्त फोर्स बुलाकर हालात काबू करने की कोशिश की जा रही है. प्रदर्शन के कई वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिनमें PoK के लोग खुलेआम पाक सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते दिख रहे हैं. हालात को देखते हुए स्थिति और अधिक उग्र हो सकती है।

बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शन के दौरान गोलीबारी, 3 की मौत, कई घायल

एजेंसी।

ढाका. बांग्लादेश के चटगाँव हिल ट्रैक्ट्स क्षेत्र के खगराचारी जिले में एक स्कूली छात्रा के साथ गैंगरेप के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शन ने रविवार को हिंसक रूप ले लिया. जानकारी के अनुसार खगराचारी सदर उपजिले के एक गांव में एक किशोरी स्कूली छात्रा के साथ स्थानीय बंगाली बसावटवासी समुदाय के लोगों ने गैंगरेप किया. इसके बाद स्थानीय आदिवासी समुदाय में आक्रोश पैदा हो गया. स्थानीय आदिवासी समुदाय के लोग लंबे समय से क्षेत्र में बाहरी बसावटवासियों द्वारा अपने समुदाय की महिलाओं के खिलाफ हिंसा और रेप की घटनाओं का विरोध कर रहे हैं. ऐसे में इस तरह का एक और मामला सामने आने पर गुइमारा बाज़ार क्षेत्र में सड़कें ब्लॉक कर दीं और विरोध प्रदर्शन करते हुए गैंगरेप के आरोपियों की गिरफ्तारी और कड़ी सज़ा की मांग की।

लोकशक्ति www.lokshakti.in

छत्तीसगढ़ में विभिन्न स्थानों पर भाजपा नेताओं ने सुनी 'मन की बात'

रायपुर,। भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने भी छत्तीसगढ़ के विभिन्न स्थानों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक प्रसारण 'मन की बात' की 126वीं कड़ी का श्रवण किया। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर के शंकर नगर स्थित सिंधु पैलेस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम की 126वीं कड़ी का श्रवण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि 'मन की बात' करोड़ों देशवासियों को जोड़ने, उन्हें प्रेरित करने तथा नवाचार और बेहतर कार्यों को सामने लाने का सशक्त माध्यम है। इस अवसर पर रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा, सीजीएमएससी के अध्यक्ष दीपक म्हस्के, छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण सिंह देव ने शहर के भगत सिंह वार्ड स्थित बूथ क्रमांक 146 में कार्यकर्ताओं और वार्डवासियों के साथ कार्यक्रम सुना। इस अवसर पर महापौर संजय पांडे, अध्यक्ष खेमसिंह देवांगन, मंडल अध्यक्ष अविनाश श्रीवास्तव, मथुरा तिवारी, दयावती देवांगन, करण जैन, गोदावरी ठाकुर, सुरेश मथरानी, लोकनाथ, सूर्यकांत साहू, कुसुम साहू, तुलसी ठाकुर, कमला साहू सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। भाजपा क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल और प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने जिला भाजपा कार्यालय, राजनांदगांव विधानसभा के बूथ क्रमांक139 में कार्यक्रम का श्रवण किया। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष रामजी भारती, वरिष्ठ भाजपा नेता खूबचंद पारख, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल अध्यक्ष नीलू शर्मा, महापौर मधुसूदन यादव, जिलाध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत सहित पदाधिकारीगण, कार्यकर्तागण व गणमान्यजन उपस्थित रहे। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने मन की बात रेडियो कार्यक्रम के 126वें संस्करण का नेहरू चौक, बिलासपुर स्थित शासकीय निवास कार्यालय में भाजपा के साथी पदाधिकारियों, कार्यकर्ता साथियों एवं सम्मानित नगरवासियों के साथ श्रवण किया। बाद में श्री साव ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने देश की दो बेटी दिलना और रूपा जी की 238 दिन तक की समुद्र मार्ग में रोमांचकारी और अद्भुत यात्रा से देशवासियों को अवगत कराया। दोनों बहादुर बेटियों की इस यात्रा से देश की सभी बेटियां प्रेरणा लेंगी। प्रधानमंत्री जी ने विजयादशमी के पावन पर्व पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने पर शुभकामनाएं दी। श्री मोदी ने समस्त देशवासियों को दीपावली की बधाई एवं शुभकामनाएं दी और इस अवसर पर स्वदेशी वस्तु खरीदकर आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सहभागी बनने की अपील की। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष ग्रामीण मोहित जायसवाल, शहर जिला अध्यक्ष दीपक सिंह, अजीत सिंह भोगल, जिला कोषाध्यक्ष गुलशन ऋषि, राजेश सिंह, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं नगरवासी उपस्थित रहे। केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने कोलकाता एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात का 126वां एपिसोड सुना। श्री साहू ने कहा कि यह केवल संवाद नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की दिशा में जनजागरण है। प्रधानमंत्री ने हमें अपने त्याग और तपस्या से प्रेरित किए महान विभूतियों को याद दिलाया और हमें स्वदेशी अपनाने, वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देने तथा आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के प्रति प्रेरित किया। श्री साहू ने बिलासपुर सहित छत्तीसगढ़ की जनता से अपील की कि हम सब मिलकर त्यौहारों को स्वदेशी के साथ मनाएँ, खादी और स्थानीय उत्पादों को अपनाएँ और भारत को आत्मनिर्भर बनाने में योगदान दें। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा ने गृह ग्राम चांपा, बलौदाबाजार के बूथ क्रमांक 149 में समस्त कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीण जनों संग आदरणीय प्रधानमंत्री के प्रेरणादायी कार्यक्रम ÷मन की बात÷ का श्रवण किया। कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने बीरपुर स्थित निज निवास कार्यालय में श्री मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम का कार्यकर्ताओं एवं जनता के साथ सुनी। श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रेरणादायी विचारों ने सभी को राष्ट्रनिर्माण में जनभागीदारी और समाजहित में सक्रिय योगदान के लिए प्रेरित किया।

राज्य के कर्मचारियों हेतु 'अर्जित वेतन तक पहुँच' योजना लागू करने की मांग

कर्मचारी फेडरेशन के सुझाव पर कैबिनेट ले सकती है फैसला

छत्तीसगढ़ राज्य के सरकारी कर्मचारियों की ओर से एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने राज्य सरकार से अनुरोध किया है कि वह कर्मचारियों के वित्तीय सशक्तिकरण की दिशा में कदम उठाते हुए 'अर्जित वेतन तक पहुंच' जैसी एक वित्तीय समावेशन योजना को शीघ्र लागू करने पर विचार करे। योजना के अंतर्गत कर्मचारियों को

महीने के अंत तक वेतन की प्रतीक्षा किए बिना अपने अर्जित वेतन का आंशिक या पूर्ण हिस्सा किसी भी समय निकालने की सुविधा उपलब्ध कराई जा सकेगी। मासिक वेतन भुगतान प्रणाली कई बार कर्मचारियों के लिए आपातकालीन या अनपेक्षित खर्चों की स्थिति में चुनौतियां उत्पन्न कर सकती है। अर्जित वेतन तक पहुंच मॉडल, जिसे कई निजी कंपनियां पहले ही अपना चुकी हैं। कर्मचारियों को वित्तीय लचीलापन प्रदान करता है और उन्हें अपने वित्तीय दायित्वों का प्रबंधन अधिक प्रभावी ढंग से करने में सहायता करता है। **गोवा और राजस्थान में लागू** राज्य सरकारों जैसे गोवा और राजस्थान ने इस प्रकार की योजनाओं को पहले ही सफलतापूर्वक लागू किया है। डिजिटल बैंकिंग और भुगतान प्रणालियों में हुई प्रगति को ध्यान में रखते हुए, यह योजना सरकारी कर्मचारियों को एक सुरक्षित एवं उपयोगकर्ता-अनुकूल प्लेटफॉर्म के माध्यम से 24×7 अर्जित वेतन तक पहुंच प्रदान कर सकती है। प्रस्ताव को लेकर संबंधित वित्तीय संस्थानों और विभागों के साथ प्रारंभिक संवाद की आवश्यकता को भी रेखांकित किया गया है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर फरसाबहार में 37.80 करोड़ की लागत से बन रहा है सर्वसुविधायुक्त एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का नवीन भवन

संवाददाता।

फरसाबहार में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का निर्माण कार्य तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। जशपुर जिला आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है, जहां के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर अवसर उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय अनुसूचित जनजातीय छात्रों को शिक्षा के मुख्यधारा से जोड़ने, उनके शैक्षिक व सह-पाठ्यचर्या कौशल के विकास और उज्ज्वल भविष्य निर्माण के लिए विशेष प्रयास कर रहे हैं। इसी उद्देश्य से मुख्यमंत्री के निर्देश पर फरसाबहार में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के नवीन भवन निर्माण के लिए 37.80 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यह भवन आधुनिक और सर्वसुविधायुक्त होगा, जिसमें विद्यार्थियों के लिए शिक्षा से लेकर जीवन कौशल विकास तक की सभी सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएंगी।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में 6वीं से 12वीं तक के छात्रों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जाती है। वर्तमान में फरसाबहार में 8 वीं तक शिक्षा प्रदान की जा रही है, जिसे आगे बढ़ाकर 12 वीं तक करने की योजना है। 37.80 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा यह विद्यालय विशेष रूप से दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी विद्यार्थियों के लिए वरदान साबित होगा। यह भवन सर्वसुविधायुक्त होगा और इसमें आधुनिक शैक्षिक सुविधाओं के साथ-साथ विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए आवश्यक संसाधन भी उपलब्ध होंगे। यहां पर आधुनिक लैब, निःशुल्क शिक्षा, गणवेश, पुस्तकें, भोजन, छात्रावास की सुविधा, खेल मैदान, कक्षा-कक्ष, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, कंप्यूटर, विकलांग बच्चों के लिए सुलभ भवन आदि की सुविधाएँ होंगी। इसके साथ ही छात्रों को कैरियर मार्गदर्शन, जीवन कौशल विकास और ई-लर्निंग की सुविधा मिलेगी।

लगातार वर्षा से गंगरेल बांध का जलस्तर बढ़ा, महानदी किनारे रहने वाले ग्रामों को सतर्क रहने की अपील

संवाददाता। महासमुंद

रविशंकर सागर बांध (गंगरेल) का जलभराव स्तर लगातार वर्षा के कारण तेजी से बढ़ रहा है। शुक्रवार रात 8 बजे की स्थिति में बांध का जलभराव 94.82 प्रतिशत दर्ज किया गया, जिसमें 17,356 क्यूसेक पानी की आवक रही। इस दौरान सिंचाई हेतु 3,700 क्यूसेक एवं महानदी नदी में 4,026 क्यूसेक पानी छोड़ा गया।

ज्ञात है कि शनिवार सुबह 11 बजे तक बांध का जलभराव 94 प्रतिशत हो चुका था। बांध के कैचमेंट क्षेत्र में लगातार वर्षा के चलते लगभग 15,000 क्यूसेक पानी की आवक दर्ज हुई है। मौसम की स्थिति को देखते हुए पानी की आवक 25,000 क्यूसेक तक पहुँचने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में जलस्तर नियंत्रित करने हेतु बांध से प्रति घंटे लगभग 4,000 क्यूसेक पानी महानदी नदी में छोड़े जाने की संभावना व्यक्त की गई थी।

महासमुंद जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता अजय खरे ने जानकारी दी कि महानदी नदी के किनारे बसे ग्रामवासियों को सतर्क किया जा रहा है। साथ ही, उच्च अधिकारियों को अग्रिम कार्यवाही हेतु सूचित कर दिया गया है, ताकि संभावित बाढ़ की स्थिति में किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। उन्होंने नदी किनारे बसे गांवों को सतर्क रहने की अपील की है।

आबकारी कंट्रोल रूम एनएच कार्यालय में होगा स्थानांतरित, कलेक्टर का निर्देश

नालंदा लाइब्रेरी निर्माण की प्रक्रिया हुई तेज, कलेक्टर ने किया निरीक्षण

रायपुर, संवाददाता

कवर्धा के युवाओं और अध्ययनशील नागरिकों की बहुप्रतीक्षित नालंदा लाइब्रेरी के निर्माण की दिशा में अब तेज़ी आ गई है। उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा के विशेष प्रयासों से स्वीकृत इस परियोजना के लिए कलेक्टर गोपाल वर्मा और नगर पालिका अध्यक्ष चंदप्रकाश चंद्रवंशी ने प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण किया और निर्माण की बाधाओं को दूर करने के निर्देश दिए। वर्तमान में प्रस्तावित नालंदा लाइब्रेरी परिसर स्थल में आबकारी कंट्रोल रूम का संचालन किया जा रहा है। कलेक्टर ने आबकारी कंट्रोल रूम को स्थानांतरित करने के लिए चिन्हांकित की गई एनएच कार्यालय भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वर्तमान में लाइब्रेरी परिसर में संचालित आबकारी कंट्रोल रूम को अन्य स्थान पर स्थानांतरित किए जाने की कार्रवाई की समीक्षा की। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि आबकारी कंट्रोल रूम को शीघ्र ही एनएच कार्यालय में स्थानांतरित किया जाए, ताकि नालंदा लाइब्रेरी का निर्माण कार्य बिना किसी बाधा के प्रारंभ हो सके।

सेवा पखवाड़ा में सारंगढ़ को मिली नई सौगात

0 सांसद राधेश्याम राठिया ने किया 25 सीटर आशा निकेतन वृद्धाआश्रम का शुभारंभ

0 वृद्धजनों को दिया गया सहायक उपकरण

सारंगढ़ बिलाईगढ़ संवाददाता सेवा पखवाड़ा में रायगढ़ सांसद राधेश्याम राठिया के मुख्य आतिथ्य में सारंगढ़ में निराश्रित वृद्धजनों के लिए आशियाना के रूप में आशा निकेतन का शुभारंभ किया गया। समाज कल्याण विभाग द्वारा 25 सीटर आशा निकेतन वृद्धा आश्रम के रूप में नवगठित सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले को आज एक महत्वपूर्ण सौगात मिला है।

यह आश्रम निराश्रित व वरिष्ठ नागरिकों के देखभाल और संरक्षण हेतु शुरू किया गया है। सांसद राधेश्याम राठिया ने सभी वरिष्ठ जनों को साल एवं श्रीफल प्रदान कर सम्मानित किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम और सामूहिक भोजन की भी व्यवस्था की गई। आश्रम में 15 वरिष्ठ नागरिकों का चिन्हांकन कर प्रवेश भी कराया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन आयुष एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा किया गया। 35 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों को जीवन सहायक उपकरण जैसे व्हीलचेयर, स्टिक, निब्रेस, कमर पट्टी, बैसाखी, श्रवण यंत्र, कान मशीन, कुशन आदि वितरित किए गए। रायगढ़ सांसद राधेश्याम राठिया ने कहा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप राज्य में सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम हम सब चला रहे है। हमारे निशक्तजन को जीवन रक्षक उपकरण दिया गया इस कार्यक्रम को करने के लिए जिला प्रशासन को बहुत बहुत धन्यवाद देता हूं। आप जैसे बुजुर्ग का सेवा करने का हम सबको मौका मिला। आज सभी वरिष्ठ जनों का एक साथ स्वागत करना ये बहुत ही अच्छा पहल है। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने कहा कि नवरात्रि के अवसर पर शासन के कार्यक्रम में इतने लोग आये बहुत अच्छी बात है। नवीन जिला सारंगढ़ को नया सौगात मिला है। यह आश्रम महिला पुरुष दोनों के लिए है। 25 सीटर आश्रम है, जिसमें वृद्ध और दिव्यांग 15 लोगो का चिन्हांकन कर लिया गया है। जिला प्रशासन सहयोग के लिए तैयार है।

सेवा पखवाड़ा के तहत विभिन्न दिवस जिले मे अलग अलग कार्यक्रम करवा रहे है। इसी के तहत समाज कल्याण विभाग का कार्यक्रम रखा गया है। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे, एसडीएम वर्षा बंसल, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पांडेय, उपाध्यक्ष अजय नायक, सदस्य शिवकुमारी साहू, जनपद पंचायत सारंगढ़ अध्यक्ष ममता ठाकुर, सत्ताधारी दल के जिला अध्यक्ष ज्योति पटेल, सुभाष जालान, अरविंद हरिप्रिया, विलास सारथी, दुर्गा ठाकुर, दीनानाथ खूंटे, अरुण गुड्डू यादव, हरिनाथ खूंटे, समीर ठाकुर, रामनाथ सिदार, महेंद्र अग्रवाल, उप संचालक समाज कल्याण विनय तिवारी सहित बड़ी संख्या में नागरिक और समाजसेवी उपस्थित थे।

लाल चंदन तस्करी कांड, नागपुर से रायपुर तक फैला था नेटवर्क, ईडी ने कुर्क की करोड़ों की संपत्ति

संवाददाता

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लाल चंदन की तस्करी में शामिल आरोपी अब्दुल जाफर के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। जांच एजेंसी ने आरोपी की 8.6 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की है। आरोप है कि जाफर ने यह संपत्ति तस्करी से कमाए गए अवैध धन से खरीदी थी। जांच में सामने आया कि वर्ष 2016 में अब्दुल जाफर ने रायपुर के एक गोदाम में 576 लाल चंदन के लट्ठे छिपाकर रखे थे। इन लट्ठों का कुल वजन करीब 11 टन था और इन्हें दुबई भेजने की योजना बनाई जा रही थी।

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) को सूचना मिली थी कि जाफर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लाल चंदन की तस्करी में सक्रिय है। इसी सूचना पर 2 अक्टूबर 2016 को नागपुर में एक कंटेनर रोका गया। जांच में उसमें से 1,324 लाल चंदन के लट्ठे (करीब 14 टन) बरामद हुए, जिन्हें स्पंज आयरन के नीचे छिपाकर रखा गया था।

रायपुर में भी बरामद हुआ लाल चंदन नागपुर में हुई कार्रवाई के बाद 4 अक्टूबर 2016 को रायपुर के गोदाम पर छापा मारा गया। इस दौरान वहां छिपाकर रखे गए 576 लाल चंदन के लट्ठों को भी जब्त कर लिया गया।

आरोपी फिलहाल जेल में

इन कार्रवाइयों के बाद अब्दुल जाफर को गिरफ्तार किया गया था और वह वर्तमान में रायपुर जेल में बंद है। ईडी का कहना है कि तस्करी से कमाई गई रकम से खरीदी गई उसकी करोड़ों की संपत्ति अब कुर्क कर दी गई है।

स्वदेशी अपनाना है भारत को विकसित और आत्मनिर्भर बनाना है : संतोष पांडेय

0 हमारा देश आत्मनिर्भर भारत की ओर तेज़ी से अग्रसर है

0 'आत्मनिर्भर भारत' का संकल्प सिर्फ एक संकल्प नहीं, बल्कि देशभक्ति की अभिव्यक्ति भी है- संतोष पांडेय

रायपुर, संवाददाता।

भाजपा मुख्य प्रवक्ता एवं सांसद संतोष पाण्डेय ने कहा कि भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'आत्मनिर्भर भारत' की ओर तेज़ी से अग्रसर है। हाल के ऐतिहासिक जीएसटी क्रांति और उससे पहले आयकर की दरों में ऐतिहासिक छूट देकर, सभी तरह के कर कानूनों का सरलीकरण कर श्री मोदी ने 'विकसित भारत' की राह को प्रशस्त किया है। श्री पाण्डेय ने कहा कि नागरिकों को राहत, व्यापार सुगमता, कर सरलीकरण का अंतिम ध्येय भारत को विकसित बना देश के 140 करोड़ नागरिकों का जीवन आसान बना कर, उनके जीवन को संवारने का ध्येय लेकर श्री मोदी काम कर रहे हैं। भाजपा सांसद व मुख्य प्रवक्ता श्री पाण्डेय ने रविवार को कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए कहा कि देश यह कभी नहीं भूलेगा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कोरोना की वैश्विक महामारी के समय सबसे पहले 'आत्मनिर्भर भारत' का मंत्र दिया था। उस समय की भयानक आपदा को भी ऐसा अवसर बना देना, किसी चमत्कारिक नेतृत्व के वश की ही बात है। प्रधानमंत्री द्वारा दिया गया 'आत्मनिर्भर भारत' का संकल्प सिर्फएक संकल्प नहीं, बल्कि देशभक्ति की अभिव्यक्ति भी है। श्री पाण्डेय ने बताया कि श्री मोदी के इस मूलमंत्र को अपनाकर पार्टी ने आत्मनिर्भर भारत अभियान शुरू किया है। यह अभियान 25 सितंबर पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती से प्रारम्भ हुआ है और 25 दिसंबर को छत्तीसगढ़ निर्माता भारत रत्न श्रद्धेय अटल जी की जयंती तक यह चलेगा। हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी की भावना के साथ इस अभियान को जन-जन तक पहुँचाने के लिए आत्मनिर्भर भारत संकल्प सम्मेलन और आत्मनिर्भर भारत संकल्प रथ यात्रा जैसी कई गतिविधियों की योजना बनाई गई है। इस अभियान का उद्देश्य 'वोकल फॉर लोकल' के संदेश को हर भारतीय तक पहुँचाना है। भाजपा सांसद व मुख्य प्रदेश प्रवक्ता श्री पाण्डेय ने कहा कि पिछले एक दशक से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में स्वदेशी को लेकर जिस तेजी से काम हुआ है, उसका असर सैन्य उपकरणों के निर्यात से लेकर अंतरिक्ष, वैक्सीन हर जगह भारत की बढ़ती धाक में देखा जा सकता है। यदि सिर्फरक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को देखें तो 2014 से पहले जहां हम बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर थे वहीं अब आत्मनिर्भर होते हुए रक्षा निर्यातक बन चुके हैं। भारत का रक्षा निर्यात वित्त वर्ष 2014-15 में 1 हजार 941 करोड़ रूपए से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 23 हजार 622 करोड़ रूपए हो गया है। श्री पाण्डेय ने कहा कि आज हमारे देश ने विश्व के तीसरे सबसे बड़े स्टार्ट अप इको सिस्टम के रूप में स्थापित कर लिया है, जहां 17 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर मिले हैं। भारत में 100 से अधिक यूनिकॉर्न आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का प्रतीक हैं। सही अर्थ में प्रधानमंत्री श्री मोदी आत्मनिर्भर भारत के संकल्प से अंत्योदय के उद्देश्य को भी पूरा कर रहे हैं। आत्मनिर्भर भारत के स्वप्न को पूरा करने के लिए न्यूनतम सरकार अधिकतम शासन के ध्येय पर चलते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश में आर्थिक और नीतिगत सुधारों का जो दौर चल रहा है, उसका सबसे अधिक लाभ गरीब, किसान, महिलाओं, मध्यम वर्ग को मिला है। भाजपा सांसद व मुख्य प्रवक्ता श्री पाण्डेय ने कहा कि जीएसटी सुधार लागू होने के बाद जिस तरह का उत्साह देखने को बाज़ारों में मिल रहा है, वह अद्भुत है। बाजार भ्रमण के दौरान देखा गया कि लोगों में जीएसटी 2.0 और स्वदेशी उत्पादों को लेकर विशेष उत्साह है। बाज़ार भ्रमण के दौरान व्यवसायी बंधुओं से भेंट कर उन्हें भी स्वदेशी और आत्मनिर्भरता का लिए प्रेरित किया गया। सभी आज इस बात पर एकमत हैं कि हम स्वदेश निर्मित उत्पादों से आत्मनिर्भर होकर विकसित भारत का स्वप्न साकार करेंगे। श्री पाण्डेय ने कहा कि वर्तमान में भारत विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था है। इस दशक के अंत तक हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। छत्तीसगढ़ का जीएसडीपी भी पांच वर्ष में दुगना कर उसे 10 लाख करोड़ करने का लक्ष्य लेकर हम कार्य कर रहे हैं। यह लक्ष्य प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के निर्णायक शासन, दूरदर्शी सुधारों से संभव होगा। आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान महात्मा गांधी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के आदर्शों से प्रेरणा लेते हुए, भारत की संस्कृति, परंपरा और आत्मा को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प है।

आदि कर्मयोगी अभियान के माध्यम से ग्राम विकास का नया अध्याय

ग्राम भुजियामुड़ा में तैयार हुआ विजन प्लान 2030

गरियाबंद, संवाददाता

जनजातीय कार्य मंत्रालय के महाभियान आदि कर्मयोगी अभियान के तहत विकासखंड गरियाबंद के ग्राम भुजियामुड़ा में आज विलेज विजन प्लान 2030 तैयार करने की प्रक्रिया की गई। कलेक्टर श्री भगवान सिंह उईके, जिला पंचायत सीईओ श्री प्रखर चंद्राकर एवं जनपद पंचायत सीईओ गरियाबंद श्री के.एस. नागेश के मार्गदर्शन में विकासखंड स्तरीय अधिकारी तथा ग्रामवासी आदि कर्मयोगी अभियान के सुचारू संचालन के लिए मौजूद रहे। बैठक के दौरान ग्रामवासियों के साथ चर्चा कर ग्राम का सामाजिक मानचित्र एवं संसाधन मानचित्र तैयार किया गया। इसमें आधारभूत संरचना जैसे सड़क, पेयजल आपूर्ति, स्वास्थ्य, आवास, विद्युत व्यवस्था, पोषण एवं शिक्षा जैसे विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श कर उन्हें विजन प्लान 2030 में शामिल किया गया। आगामी 2 अक्टूबर को आयोजित होने वाली ग्रामसभा में इस विजन प्लान का अनुमोदन कर भारत सरकार को प्रेषित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत ग्राम स्तर पर आदि सेवा केंद्र की परिकल्पना की गई है। जनजातीय बहुल गांवों में स्थापित इन केंद्रों के माध्यम से अधिकारी और समुदाय के सदस्य हर पखवाड़े 'आदि सेवा समय' में 1-2 घंटे देकर स्थानीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे, युवाओं को मार्गदर्शन प्रदान करेंगे और शासन की पहल का समर्थन करेंगे। इसके साथ ही शासन प्रयोगशाला कार्यशालाओं का आयोजन राज्य से लेकर ग्राम स्तर तक किया जाएगा। इन कार्यशालाओं में विभिन्न विभाग मिलकर जनजातीय विकास के लिए सामूहिक समाधान तैयार करेंगे। आदि कर्मयोगी अभियान का उद्देश्य है कि जनजातीय ग्राम कार्य योजना के माध्यम से ग्रामीण और अधिकारी मिलकर ग्राम विजन 2030 का निर्माण करें, जो सतत विकास लक्ष्यों एवं समावेशी विकास की राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के अनुरूप हो।

रहस्यों से भरी हैं बस्तर दशहरा की सभी रस्में, सहकार का सबसे बड़ा उदाहरण भी है यह महापर्व

सभी जाति समुदायों की रहती है इसमें भागीदारी =

-अर्जुन झा-

जगदलपुर, बस्तर दशहरा और यहां की रथयात्रा संभवतः देश में सबसे ज्यादा लंबे समय तक चलने वाला शक्ति उपासना का महापर्व है। यह महापर्व अपने आप में कई रहस्यों को समेटे हुए है। इसकी सभी रस्मे रहस्यमयी हैं और सहकार की अनुपम उदाहरण भी।यह एक ऐसा महापर्व है, जिसमें प्रायः सभी जाति समुदायों की भूमिका तय रहती है। ऐतिहासिक बस्तर दशहरा महापर्व 75 दिनों तक चलता है। इस पर्व में सहकारिता का अनूठा समन्यव देखने को मिलता है। बस्तर में निवासरत सभी जाति वर्ग के लोग इसमें अपनी पूरी सहभागिता निभाते हैं। सबसे बड़ी विशेषता यह है कि सरकारी खर्च पर यह भव्य एवं विशाल आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है। बस्तर दशहरा पर्व को देखने देश-विदेश के पर्यटक काफी संख्या में पहुंचते हैं और यहां की परंपरा एवं संस्कृति को देखकर अभिभूत हो उठते हैं। बस्तर का दशहरा मूल रूप से बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी की पूजा अर्चना पर ही आधारित है। यह शक्ति उपासना का ही बड़ा पर्व है। बॉक्स सांवर जाति का योगदान हरियाली अमावस्या के दिन ग्राम बिलोरी से पेड़ काटकर लकड़ी लाई जाती है, जिसे ठुरलू खोटला कहते हैं। इसकी विधि विधान पूर्वक पूजा अनुष्ठान की जाती है। इस लकड़ी से रथ निर्माण के औजार बारसी हथोड़ा, टंगिया आदि का ढेटा (मूठ) बनाया जाता है। इसी दिन से ही बस्तर दशहरा पर्व की शुरुआत होती है। इसके पश्चात रथ निर्माण हेतु पेड़ काटे जाते हैं, लकड़ियां लाई जाती हैं। जगदलपुर निकट स्थित ग्राम बेड़ा उमरगांव के सांवर जाति के लोगों द्वारा रथ निर्माण का कार्य किया जाता है। रथ के पाहियों के निर्माण के समय नार फोड़नी विधान किया जाता है। बॉक्स पनका समाज का महत्व

इसके पश्चात मगर मुही विधान संपन्न होता है, फिर डेरी गड़ाई रस्म सराहासार भवन में की जाती है। इन सभी विधानों में बस्तर की परंपरा अनुसार मोंगरी मछली, अंडे व बकरे की बलि दी जाती है मूल दशहरा का पर्व पितृ मोक्ष अमावस्या के दिन स्थानीय पथरागुड़ा चौक के पास स्थित कांछनगुड़ी में कांछन देवी विधान किया जाता है। इसमें पनका जाति की कुंवारी कन्या पर मां दंतेश्वरी आती है उसे बेल कांटों से बने झूले पर झुलाया जाता है। इस समय बस्तर राज परिवार के सदस्य द्वारा देवी की पूजा अर्चना के बाद बस्तर दशहरा पर्व के आयोजन की अनुमति मांगी जाती है। देवी स्वरूपा कुंवारी कन्या द्वारा आशीर्वाद के रूप में फूल प्रदान कर अनुमति दी जाती है। इसके पश्चात बस्तर दशहरा महापर्व का मूल अनुष्ठान एवं आयोजन प्रारंभ होता है। बॉक्स जोगी जाति की भूमिका प्रतिपदा के दिन स्थानीय सिरहासार भवन में जोगी बिठाई रस्म पूरी की जाती है। इसमें बड़े आमाबाल गांव के जोगी परिवार का युवक 9 दिनों तक कठोर तपस्या करते बैठे रहता है। इसके पश्चात राजमहल परिसर में स्थित मां दंतेश्वरी मंदिर को बस्तर राज परिवार के सदस्य द्वारा पूरे विधि विधान के साथ पूजा अर्चना कर कलश स्थापना की जाती है तथा मां दंतेश्वरी मंदिर में अखंड ज्योति प्रज्वलित की जाती है इसके पश्चात घी एवं तेल के आस्था के दीप लोगों द्वारा जलाया जाता है इसकी व्यवस्था एवं देखरेख के लिए अखंड ज्योत प्रबंधन समिति भी गठित की गई है।कलश स्थापना के साथ ही नवरात्रि पूजा अनुष्ठान का कार्यक्रम पूरे विधि विधान के साथ मंदिर में 9 दिनों तक चलता है। बॉक्स वही बस्तर दशहरा महापर्व का मुख्य आकर्षण रथ परिक्रमा का शुभारंभ द्वितीय तिथि की शाम होता है। बॉक्स फूल रथ परिक्रमा चार चक्के वाले फूल रथ पर मां दंतेश्वरी के छत्र को सम्मान रथारूढ़ करने के बाद मां मावली मंदिर के सामने फूलों तथा आकर्षक कपड़ों से सुसज्जित रथ को खींचकर सिराहासार चौक से जय स्तंभ चौक गुरु नानक चौक होते हुए मां दंतेश्वरी मंदिर के समक्ष लाया जाता है। जहां ससम्मान मां दंतेश्वरी की छत्र को उतार कर मंदिर में ले जाया जाता है, यह क्रम सप्तमी तक चलता है। रथ परिक्रमा के दौरान विभिन्न लोकनर्तक दलों का पारंपरिक वाद्य यंत्रों की धुन पर झूमते नाचते चलना आकर्षण का केंद्र बना रहता है। बॉक्स निशान जात्रा इसके पश्चात महा अष्टमी के दिन निशा जात्रा विधान के अंतर्गत बस्तर राज परिवार के सदस्यों द्वारा महल से पूरे राज्यकिय वेशभूषा में अपने पूरे राज्य परिवार के सदस्यों के साथ आकर्षक शोभायात्रा के रूप में महल से निकलकर अनुपमा टॉकीज के पास स्थित निशान जात्रा मंडप में बस्तर के विभिन्न देवी देवताओं एवं पूर्वजों का पूजा अनुष्ठान बस्तर के परंपरा अनुसार एवं विधि विधान के साथ करते हैं। इस अवसर पर 11 बकरों का बलि दी जाती है। यह विधान मध्य रात्रि में संपन्न होता है।

बॉक्स माई की डोली का आगमन नवमी तिथि को मंदिर में कुंवारी कन्या भोजन के पश्चात सिरहासार मे 9 दिनों से व्रत में बैठे जोगी उठाई रस्म की जाती है। इसके बाद रात्रि लगभग 8 बजे दशहरा का विशिष्ट एवं आकर्षक मावली पड़घाव विधान आयोजित किया जाता है। मावली पड़घाव विधान के लिए दंतेवाड़ा से माईजी की डोली जगदलपुर के जिया डेरा पहुंचती है जिया डेरा से मावली पढ़घाव हेतु माई जी की डोली को गाजा बाजा एवं आतिशबाजी के साथ यहां से मां दंतेश्वरी मंदिर हेतु ले जाया जाता है। इस विधान को देखने के लिए भारी संख्या में शहर एवं आसपास के ग्रामीणों के साथ बाहर से आए सैलानी भी सड़क के दोनों और खड़े होकर माई जी की डोली का स्वागत करते हैं। सभी श्रद्धालु माई जी की डोली के दर्शन के लिए आतुर रहते हैं। इस अति विशिष्ट आयोजन के लिए राजमहल सड़क को आकर्षक ढंग से सजाया जाता है।कुटरु बाड़ा के समीप स्वागत मंच पर बस्तर राज परिवार के सदस्य द्वारा दंतेवाड़ा से आई मां दंतेश्वरी की डोली को पूरे सम्मान एवं बस्तर की परंपरा अनुसार भव्य स्वागत किया जाता है। माई जी की डोली को कंधे पर उठाकर मां दंतेश्वरी के मंदिर में ले जाकर विधि विधान पूर्वक पूजा अनुष्ठान किया जाता है। बॉक्स माड़िया जनजाति की सहभागिता बस्तर के विश्व प्रसिद्ध दशहरा के अंतर्गत विजयादशमी के अवसर पर 8 चक्का वाले विशालकाय रथ पर मां दंतेश्वरी के छत्र को ससम्मान रथारुढ़ कर बस्तर के किलेपाल परगना के माड़िया जनजाति के लोगों द्वारा उत्साह एवं श्रद्धा के साथ रथ को खींचा जाता है।

तेलीबांधा क्षेत्र में अब रात 12 बजे के बाद बंद होंगे होटल, बार और क्लब, पुलिस ने जारी किया सख्त निर्देश

रायपुर, संवाददाता।

रायपुर के तेलीबांधा इलाके में देर रात चलने वाली पार्टियों और कार्यक्रमों पर अब सख्ती बरती जाएगी। क्षेत्र में मौजूद सभी होटल, बार, क्लब, पब और रेस्टोरेंट को रात 12 बजे के बाद बंद करना अनिवार्य कर दिया गया है। इस नियम का उल्लंघन करने पर संबंधित संचालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

तेलीबांधा थाना पुलिस ने शनिवार को क्षेत्र के सभी व्यवस्थापकों को नोटिस जारी कर स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि निर्धारित समय सीमा के बाद किसी भी तरह का कार्यक्रम, डीजे या लाउड म्यूजिक नहीं चलेगा। यदि नियमों का उल्लंघन होता है, तो एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

सिविल लाइन क्षेत्र के सीएसपी रमाकांत साहू ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रशासन ने होटल, ढाबों, क्लबों और पब को केवल रात 12 बजे तक संचालन की अनुमति दी है। इसके तहत सभी प्रतिष्ठानों को अधिकतम 12:30 बजे तक पूरी तरह बंद कराना होगा। रात के समय केवल फूड पार्सल सेवा को ही जारी रखने की इजाजत होगी, जबकि शराब परोसने और पार्टी करने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

इसके अलावा, होटल और क्लब संचालकों को किसी भी कार्यक्रम के आयोजन से पहले संबंधित थाने में सूचना देना अनिवार्य होगा।

छात्रों की बात, जनप्रतिनिधि के साथ: संस्कृति मंत्री ने की मेडिकल छात्रों से चर्चा

शेड निर्माण समेत अन्य मांगों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश

रायपुर, (आरएनएस)। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने अंबिकापुर के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में आयोजित छात्रों की बात, जनप्रतिनिधि के साथ कार्यक्रम में सम्मिलित होकर चिकित्सा छात्रों से सीधा संवाद किया। मंत्री से खुले संवाद कर विद्यार्थियों ने अपनी बातें साझा कीं और उनके सकारात्मक दृष्टिकोण और समाधान के आश्वासन पर प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर छात्रों ने अपनी शैक्षणिक व बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी कई समस्याएँ एवं सुझाव मंत्री अग्रवाल के समक्ष रखे। सामने आए मुद्दों में कॉलेज परिसर में शेड निर्माण की आवश्यकता, अध्ययन हेतु बेहतर संसाधन, तथा छात्र-हित से जुड़ी मूलभूत आवश्यकताओं पर प्रमुखता से चर्चा की गई। मंत्री श्री अग्रवाल ने सभी समस्याओं व सुझावों को गंभीरता से सुना और कहा कि चिकित्सा महाविद्यालय के विद्यार्थी समाज के स्वास्थ्य तंत्र की मज़बूत रीढ़ हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि छात्रहित सर्वोपरि है और समाधान के लिए शीघ्र कदम उठाए जाएंगे। इस अवसर पर छात्रों द्वारा उठाई गई शेड निर्माण की मांग पर श्री अग्रवाल ने कार्यक्रम के बाद तत्काल ही कॉलेज के डीन सहित अधिकारियों के साथ स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि विद्यार्थियों की आवश्यकता को प्राथमिकता देते हुए शीघ्र कार्रवाई की जाए।

1 नवंबर से रायपुर में पुलिस कमिश्नर प्रणाली, कमेटी ने सौंपी रिपोर्ट

भुवनेश्वर मॉडल की तर्ज पर लागू होगा

संवाददाता

पुलिस कमिश्नर प्रणाली को भुवनेश्वर मॉडल की तर्ज पर रायपुर जिले में 1 नवंबर से लागू किया जाएगा। उच्च स्तरीय कमेटी के अध्यक्ष एडीजी प्रदीप गुप्ता ने प्रस्तावित मसौदा डीजीपी अरुणदेव गौतम को सौंप दिया है। इसका अध्ययन करने के बाद डीजीपी इसे राज्य सरकार को भेजेंगे। कमेटी की रिपोर्ट मिलते ही अंतिम रूप देने के बाद विधि विभाग को परीक्षण के लिए भेजा जाएगा। बताया जाता है कि नया सिस्टम लागू करने के लिए पूरा खाका तैयार कर लिया गया है। सिर्फ राज्य सरकार की स्वीकृति मिलने और अन्य औपचारिताओं को पूरा करने के लिए विभागीय स्तर पर तैयारी चल रही है। राज्य पुलिस के अधिकारिक सूत्रों का कहना है कि सेटअप और संसाधन के लिए वित्त विभाग की मंजूरी शेष है। विभागीय अधिकारियों द्वारा निरीक्षण कर पुलिस मुख्यालय में एसआईबी के दो मंजिला भवन को फाइनल किया गया है।

इन राज्यों के सिस्टम का अध्ययन

महाराष्ट्र, दिल्ली, कोलकाता, हैदराबाद, ओडिशा, राजस्थान और मध्यप्रदेश में लागू कमिश्नरी के मॉडल का अध्ययन किया गया था। इस दौरान भुवनेश्वर कमिश्नरी को सबसे उपयुक्त मानते हुए 60 फीसदी नियमों को लिया गया है। वहीं 40 फीसदी अन्य राज्यों में लागू सिस्टम को शामिल किया है।

इस तरह का सिस्टम

ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर की तर्ज पर पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) रैंक के अधिकारी को पदस्थ किया जाएगा। उनकी सहायता के लिए भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) स्तर के 2 अतिरिक्त आयुक्तों, 6 पुलिस उपायुक्त (डीसीपी), विधि अधिकारी, जनसंपर्क अधिकारी, लेखा अधिकारी, 31 अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, 68 निरीक्षक/सूबेदार और सेटअप के अनुसार सभी थानों में पुलिसकर्मियों को पदस्थ किया जाएगा। अफ सरों और पुलिसकर्मियों की कमी दूर करने पड़ोसी जिले और पुलिस लाइन के अतिरिक्त बल को तैनात किया जाएगा। वहीं पुलिस आयुक्त कार्यालय रायपुर के पीएचक्यू में शुरू कर 34 थानों को अटैच किया जाएगा।

पुलिस को अधिक प्रशासनिक और कार्यकारी अधिकार मिलेंगे

रायपुर जैसे बड़े शहर में बढ़ती आबादी और जटिल कानून-व्यवस्था को देखते हुए कमिश्नरी सिस्टम को कारगर माना जा रहा है। इसे पिछले काफी समय से लागू करने की तैयारी चल रही थी। इस प्रणाली से पुलिस को अधिक प्रशासनिक और कार्यकारी अधिकार मिलेंगे। जिससे अपराध पर कार्रवाई और बेहतर समन्वय होगा।

शहीद वीरनारायण सिंह का बलिदान आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगा- मंत्री वर्मा

रायपुर, उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने बिलाईगढ़ स्थित शहीद वीरनारायण सिंह महाविद्यालय परिसर में सोनाखान के महान बलिदानी क्रांतिकारी वीरनारायण सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया। मंत्री वर्मा ने प्रतिमा का तिलक कर पूजा-अर्चना की और श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने गीत, नृत्य और भाषण की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से वीरनारायण सिंह की गौरवगाथा को जीवंत कर दिया। परिसर देशभक्ति और बलिदान के नारों से गूंज उठा। मंत्री वर्मा ने कहा कि समय की धारा में बहुत कुछ बह जाता है, पर कुछ लोग अमर हो जाते हैं। वीरनारायण सिंह ऐसे ही क्रांतिकारी थे,जिनका बलिदान आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने आगे कहा कि महाविद्यालय परिसर में स्थापित प्रतिमा से आने-जाने वाले लोग उनके दर्शन कर प्रेरणा लेंगे।

बिजली संकट गहराया, कटौती, लो वोल्टेज बनी मुसीबत

राजधानी रायपुर में हर कॉलोनी का बुरा हाल, प्रोफेसर कॉलोनी के लोग रोज झेल रहे

रायपुर,

राजधानी रायपुर सहित प्रोफेसर कॉलोनी, सेक्टर 3 के निवासी इन दिनों बिजली व्यवस्था को लेकर गंभीर परेशानियों का सामना कर रहे हैं। थोड़ी सी बारिश और हवा के झोंके से डीअरे उड़ जाता है, जब तक शिकायत न हो कोई बिजली कर्मी आता ही नहीं। बड़े अधिकारी मानिटरिंग के नाम पर कुर्सी तोड़ रहे हैं। वहीं एक ओर जहां क्षेत्र में लगातार बिजली कटौती और लो वोल्टेज की समस्या बनी हुई है, वहीं अब बिजली बिलों में अचानक भारी बढ़ोतरी ने लोगों को और भी चिंतित कर दिया है। और अब बढ़ा हुआ बिल स्थानीय लोगों का कहना है कि गर्मी के महीनों से शुरू हुई लो वोल्टेज की समस्या आज तक जारी है। शिकायतें करने पर कभी-कभी 1-2 घंटे में सुधार होता है, लेकिन यह राहत अस्थायी साबित होती है।

अब इसके साथ एक और बड़ी समस्या जुड़ गई है, बिजली बिलों में बेतहाशा वृद्धि। अधिकांश परिवारों का बिल पिछले महीनों की तुलना में लगभग दुगुना आ रहा है, जबकि बिजली उपयोग में कोई विशेष वृद्धि नहीं हुई है।

सुनवाई नहीं हो रही

स्थानीय निवासी शिव कुमार का कहना है कि बिजली आती नहीं, और जब आती है, तो पंखा तक नहीं चलता। इसके बावजूद पिछले महीने का बिल 1,000 रुपए की जगह 2000 रुपए आ गया। ये कहां का न्याय है? हम हर महीने समय पर बिल भरते हैं, लेकिन अब तो ऐसा लग रहा है जैसे हम अंधेरे में भी मोटा बिल भर रहे हैं। विभाग कोई सुनवाई नहीं कर रहा।

शिकायतों के बाद समाधान नहीं

लोगों का कहना है कि लगातार शिकायतों के बावजूद बिजली विभाग की ओर से कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया है। न ट्रांसफार्मर बदला गया, न लाइन की मरम्मत हुई, शिकायत करने पर ही अस्थाई रूप से बिजली ठीक क्या जाता है। विगत 6 माह से यही समस्या चल रहा है।

ट्रांसफार्मर की क्षमता लो

स्थानीय निवासियों ने बिजली विभाग के उच्चाधिकारियों से अपील की है कि वे जल्द से जल्द क्षेत्र में स्थायी समाधान करें। ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाई जाए, वोल्टेज की स्थिति सुधारी जाए और बढ़े हुए बिजली बिलों की जांच कर उचित सुधार किया जाए।

एसएस

भगत सिंह के विचार और आदर्श आज भी युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करते हैं - मुख्यमंत्री

विष्णु देव साय : शहीदे आज़म भगत सिंह जयंती पर दी श्रद्धांजलि

शहीद भगत सिंह के विचार और आदर्श आज भी युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करते हैं - मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

शहीदे आज़म भगत सिंह जयंती पर रायपुर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित

रायपुर, भारत के महान क्रांतिकारी और स्वतंत्रता संग्राम के तेजस्वी नायक शहीदे आज़म सरदार भगत सिंह जी की जयंती के अवसर पर आज राजधानी रायपुर के शहीद भगत सिंह चौक में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने भगत सिंह जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।

मुख्यमंत्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि ÷अमर शहीद भगत सिंह भारत के स्वतंत्रता संग्राम के अद्वितीय नायक थे। अपने अदम्य साहस, अटूट देशभक्ति और सर्वोच्च बलिदान से उन्होंने आने वाली पीढ़ियों के लिए अमिट प्रेरणा छोड़ी है। उनका जीवन हमें यह संदेश देता है कि राष्ट्रहित सर्वोपरि है और स्वतंत्रता के लिए त्याग ही सच्ची देशभक्ति का प्रतीक है। भगत सिंह के विचार और आदर्श आज भी युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करते हैं।÷ छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज के प्रदेश अध्यक्ष सुखबीर सिंह सिंघोत्रा कहा कि शहीद भगत सिंह का जन्म 28 सितम्बर 1907 को पंजाब के बंगा गांव (अब पाकिस्तान में) में हुआ था। बचपन से ही उनमें देशभक्ति की प्रबल भावना थी। वे हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HSRA) के सक्रिय सदस्य बने और अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफक्रांतिकारी आंदोलन को नई दिशा दी। साइमन कमीशन के विरोध प्रदर्शन के दौरान लाला लाजपत राय पर पुलिस लाठीचार्ज से उनकी मृत्यु के बाद, भगत सिंह ने साथियों के साथ मिलकर लाहौर में ब्रिटिश पुलिस अधिकारी जे.पी. सांडर्स की हत्या कर अंग्रेजी हुकूमत को चुनौती दी। 8 अप्रैल 1929 को उन्होंने और बटुकेश्वर दत्त ने दिल्ली की केंद्रीय विधानसभा में ÷इंकलाब ज़िंदाबाद÷ और ÷साम्राज्यवाद मुर्दाबाद÷ के नारों के साथ बम फेंका, जिसका उद्देश्य किसी को नुकसान पहुँचाना नहीं बल्कि अंग्रेजी शासन को चेतावनी देना था। केवल 23 वर्ष की आयु में 23 मार्च 1931 को लाहौर जेल में उन्हें राजगुरु और सुखदेव के साथ फांसी दी गई।

उनका बलिदान भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का अमिट अध्याय है। इस अवसर पर रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, नगर निगम अध्यक्ष श्री सूर्यकांत राठौर, विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष श्री अमरजीत सिंह छाबड़ा, नगर निगम स्थष्ट सदस्य श्री अमर गिदवानी एवं श्री अवतार सिंह बागल, रायपुर शहर भाजपा अध्यक्ष श्री रमेश सिंह ठाकुर सहित अनेक जनप्रतिनिधि और देशभक्त नागरिक उपस्थित रहे और सभी ने पुष्पांजलि अर्पित कर शहीदे आज़म को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

कलिंगा विश्वविद्यालय में साइबर सुरक्षा एक्स्ट्रावैगन्ज़ा 2025 पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन

रायपुर, आज की डिजिटल दुनिया में साइबर सुरक्षा एक सर्वोच्च प्राथमिकता बन गई है। चूँकि साइबर खतरे तेज़ी से विकसित हो रहे हैं, इसलिए व्यक्तियों और संगठनों दोनों के लिए सुरक्षा परिदृश्य को समझना और इन जोखिमों को प्रभावी ढंग से कम करना सीखना आवश्यक है।

IEEE कलिंगा विश्वविद्यालय छात्र शाखा ने IEEE एजुकेशन सोसाइटी एमपी सेक्शन के सहयोग से 27 सितंबर, 2025 को कलिंगा विश्वविद्यालय, नया रायपुर में ÷साइबर सुरक्षा एक्स्ट्रावैगन्ज़ा 2025÷ का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से कक्षा 8वीं से 12वीं तक के स्कूली विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया गया था, जिसमें विभिन्न स्कूलों के 200 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

EA IEEE MP अनुभाग की अध्यक्ष डॉ. विजयलक्ष्मी बिरादर ने एक व्यावहारिक संबोधन दिया, जिसमें उन्होंने आज के डिजिटल युग में विभिन्न साइबर खतरों से उत्पन्न जोखिमों के बारे में छात्रों की जागरूकता बढ़ाई।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

राहुल गांधी की गलत धारणा

भारत निर्वाचन आयोग ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के वोटचोरी के आरोप को खारिज कर दिया। अपनी पोस्ट में आयोग ने लिखा, किसी भी वोट को ऑनलाइन किसी शख्स द्वारा हटाया नहीं जा सकता, जैसा कि गांधी ने गलत धारणा बना रखी है। अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गांधी ने आरोप लगाया था कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार वोट चोरों को संरक्षण दे रहे हैं और फर्जी मतदाताओं को घटाने/जोड़ने में होने वाली धोखाधड़ी की उन्हें पूरी जानकारी है। गांधी ने कर्नाटक के अलंद विधानसभा क्षेत्र में कम से कम छह हजार वोट हटाने व महादेवपुरा में कुछ इसी तरह की धोखधड़ी का आरोप लगाया था। उनके अनुसार सॉफ्टवेयर का प्रयोग कर असली मतदाताओं का रूप लिया गया। गांधी ने बूथ लेबल के अधिकारी के चाचा का नाम हटाए जाने की भी चर्चा की। कुछ समय से विपक्षी दलों दल दावा करते रहे हैं कि आयोग भाजपा के साथ मिलकर मतदाता सूची से फर्जी वोट हटाने/जोड़ने का काम कर रहा है।

बिहार में निर्णायक भूमिका में नजर आ रहे हैं युवा वोटर

संजय सक्सेना,लखनऊ

बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा पांच अक्टूबर के बाद किसी भी समय संभव है। वर्तमान में पूरे राज्य में चुनावी सरगर्मियां तेज हो चुकी हैं। राजनीतिक दलों के बीच बैठकों, रैलियों और रणनीति को लेकर हलचल जमी हुई है। गांव-शहर से लेकर चौपाल, बाजार और चौक-चौराहे तक सिर्फ चुनाव चर्चा का विषय बना हुआ है। पिछले कुछ वर्षों में बिहार की राजनीतिक परिस्थितियां कई बड़े बदलावों से गुजरी हैं, जिससे इस बार का चुनाव और भी दिलचस्प हो गया है। खासतौर पर सामाजिक समीकरण, गठबंधन की राजनीति, नेतृत्व का चेहरा और राज्य की मूलभूत समस्याओं के आधार पर माहौल काफी संवेदनशील और गतिशील है। इस बार चुनाव में जनता के रुझान में स्पष्ट रूप से विभाजन दिख रहा है। एक तरफ जहां सत्ता पक्ष चुनाव को विकास, बिरादरी संतुलन और सामाजिक न्याय के नाम पर दांव पर लगा रहा है, वहीं विपक्ष महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, किसान और शिक्षा व्यवस्था को चुनावी मुद्दा बना रहा है। राज्य के युवा वर्ग में रोजगार के सीमित अवसरों को लेकर व्यापक असंतोष है। सरकारी भर्तियों में देरी, संविदा व अस्थायी नियुक्तियों और प्रवासी मज़दूरों की समस्याएं चुनाव का स्वरूप बड़ी हद तक तय करेंगी। राजनीतिक दलों की अगर बात करें, तो वर्तमान सरकार गठबंधन के नेतृत्व में है, जिसमें कुछ पुराने और कुछ नए साथी एक साथ आए हैं। विपक्ष में भी महागठबंधन की स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत लग रही है, जिसमें जातीय समीकरण और नेतृत्व क्षमता दोनों को संतुलित रखने का प्रयास किया जा रहा है। सत्ता समर्थक अपने शासनकाल की उपलब्धियां, सड़क-बिजली-पानी के सुधार और कानून-व्यवस्था के मामलों को प्रमुखता से जनता के सामने गिनवा रहे हैं। वहीं विपक्ष राज्य में बढ़ती महंगाई, किसान ऋण और सरकारी नौकरियों की कमी को अपना अभियान बना रहा है। इस बार चुनाव की सबसे बड़ी चुनौती युवाओं की भूमिका को लेकर है। बड़ी संख्या में नौजवान वोटर राज्य की सामाजिक-आर्थिक सच्चाइयों को लेकर जागरूक हैं। शिक्षा, रोजगार, पलायन, तकनीकी विकास और सरकारी सेवाओं में पारदर्शिता के मुद्दे उनके एजेंडे में सबसे ऊपर हैं। शहरी व ग्रामीण इलाकों में आर्थिक असमानता और महिलाओं की सुरक्षा के प्रश्न फिर से चर्चा में लौट आए हैं। किसान भी चुनावी समीकरण के महत्वपूर्ण घटक होंगे। वर्षा और बाढ़, फसल बीमा, समर्थन मूल्य और कृषि विपणन की स्वायत्तता जैसे मुद्दे राज्य के गांवों तक गूंजते हुए नजर आ रहे हैं। महिला मतदाता इस बार भी अपने बजाय अधिक मुखर और जागरूक बनी हुई हैं। केंद्र और राज्य सरकार की ओर से महिला सशक्तिकरण, आरक्षण और कल्याण योजनाओं का कितना असर पड़ेगा, यह मतदान की दिशा तय करने में अहम होगा।

राज्य के कुछ इलाकों में जातीय तनाव या सामाजिक असंतोष भी देखने को मिला है, जिसको लेकर कई दल क्षेत्रीय और जातीय संगठनों से गठजोड़ कर रहे हैं। अपराध दर, न्यायिक प्रक्रिया में देरी और जनता के बीच शासन-प्रशासन के चेहरे को लेकर भी संशय बना हुआ है। बिहार के गांवों में आज भी साख नेता की ही निर्णायक हो जाती है। मज़दूर हो, किसान हो, या छोटे व्यापारी, उनका समर्थन जीतना हर दल के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। इस बीच नए युवा चेहरे, सिनेमा, सोशल मीडिया और जमीनी रिपोर्टिंग ने भी मतदाता के सोच को प्रभावित किया है। जनता का मिजाज देखें तो इस बार वह किसी भी तरह के बहकावे या भावनात्मक शिगूफे से दूर, ठोस सवालों के जवाब तलाश रही है। राजनीतिक वादों की विश्वसनीयता, परिवारवाद, भ्रष्टाचार से त्रस्त जनता बदलाव चाहती है या चल रहे योजनाओं को ही आगे बढ़ाना चाहती है, इसका जवाब परिणाम में ही दिखेगा।

अन्त्योदय नये भारत का आधार : वंचित के उत्थान का संकल्प

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

भारत की सांस्कृतिक और दार्शनिक चेतना में सदैव यह विचार रहा है कि समाज की वास्तविक उन्नति तभी संभव है जब समाज का सबसे अंतिम व्यक्ति-वह व्यक्ति जो सबसे अधिक उपेक्षित, वंचित और अभावग्रस्त है, उसके जीवन में भी सुख, सम्मान और समृद्धि का प्रकाश पहुँचे। यही विचारधारा अंत्योदय के रूप में प्रकट हुई। अंत्योदय केवल एक नारा या कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह समाज-जीवन के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत है। अंत्योदय दिवस इसी दर्शन की याद दिलाने और उसे व्यवहार में उतारने का अवसर है। यह दिवस हर वर्ष 25 सितम्बर को मनाया जाता है, क्योंकि यही पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्मतिथि है। दीनदयाल उपाध्याय ने अंत्योदय के सिद्धांत को भारतीय राजनीति और समाज के केन्द्र में स्थापित किया। उन्होंने कहा था कि राजनीति का उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्ति नहीं, बल्कि उस सत्ता का उपयोग समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन को बेहतर बनाने के लिए होना चाहिए।

आज गांव, गरीब और स्वराज में दीनदयाल उपाध्याय की ही सोच आगे बढ़ रही है कि आज भारत में लोकतंत्र की चाल, चेहरा और चरित्र बदला जा रहा है तथा आस्थाओं की राजनीति को बल देते हुए जाति-धर्म का उन्माद नियंत्रित किया जा रहा है। महात्मा गांधी, आंबेडकर और दीनदयाल उपाध्याय आज इसलिए भारत निर्माण की नई व्याख्याओं में सबसे आगे हैं। वसुधैव कुटुम्बकम एवं सर्वधर्म सद्भाव का विचार आज सर्वाधिक बलशाली बन कर दुनिया के लिये आदर्श बन गया है। अंत्योदय दिवस मनाने का मूल उद्देश्य हमें यह स्मरण कराना है कि लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ तभी साकार होता है जब समाज का अंतिम व्यक्ति भी राष्ट्रीय विकास यात्रा में शामिल हो सके। यह दिवस हमें यह प्रेरणा देता है कि योजनाएँ और नीतियाँ केवल कागज़ों तक सीमित न रहें, बल्कि उनका लाभ उस व्यक्ति तक पहुँचे जो वर्षों से उपेक्षा, गरीबी और अभाव का शिकार रहा है। आज भारत नए शिखरों की ओर अग्रसर है। आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति और वैश्विक पहचान निरंतर बढ़ रही है। लेकिन यदि यह प्रगति समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति तक नहीं पहुँचती, तो यह विकास अधूरा है। इसलिए अंत्योदय दिवस हमें विकास के मानवीय आयाम की याद दिलाता है। यह नागरिकों और नीति निर्माताओं को वंचितों का समर्थन करने की जिम्मेदारी का अहसास कराता है। सामाजिक न्याय को बढ़ावा देता है, और पूरे देश में समावेशी विकास को प्रोत्साहित करता है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जन्म 25 सितम्बर 1916 को हुआ था। वे भारतीय जनसंघ के संस्थापकों में से एक थे और एक प्रखर चिंतक, दार्शनिक तथा समाज सुधारक थे। उनका सबसे बड़ा योगदान था-एकात्म मानववाद और अंत्योदय का दर्शन। एकात्म मानववाद का अर्थ था कि मनुष्य को केवल आर्थिक इकाई न माना जाए, बल्कि उसके जीवन के सभी आयामों-शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक का संतुलित विकास हो। उनका 'एकात्म मानववाद' का दर्शन व्यक्तिगत और सामूहिक कल्याण, सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता तथा आत्मनिर्भरता पर केंद्रित था। अंत्योदय का अर्थ था विकास की कसौटी पर यह देखना कि समाज में सबसे अंतिम व्यक्ति का जीवन कितना सुधर रहा है। उन्होंने कहा था कि हमारी योजनाओं और प्रयासों की सफलता तभी मानी जाएगी जब सबसे अंतिम व्यक्ति तक उसका लाभ पहुँचे। दीनदयाल जी का यह दर्शन महात्मा गांधी की 'अंतिम जन' की अवधारणा से भी जुड़ा है। गांधीजी कहा करते थे कि किसी भी निर्णय से पहले यह सोचना चाहिए कि उसका लाभ सबसे अंतिम और सबसे कमजोर व्यक्ति तक पहुँचेगा या नहीं। दीनदयाल उपाध्याय ने इसी विचार को राजनीतिक और आर्थिक विमर्श का आधार बनाया। आज जबकि समूची देश एवं दुनिया में संघर्ष की स्थितियां बनी हुई हैं, हर कोई विकास की दौड़ में स्वयं को शामिल करने के लिये लड़ने की मुद्रा में है, कहीं सम्प्रदाय के नाम पर तो कहीं जातीयता के नाम पर, कहीं अधिकारों के नाम पर तो कहीं भाषा के नाम पर संघर्ष हो रहे हैं, ऐसे जटिल दौर में भी अभाव, उपेक्षा एवं संघर्षरत लोगों के लिये पंडित उपाध्याय का 'अंत्योदय' एवं एकात्म मानववाद ही सबसे माकूल हथियार नजर आ रहा है।

'अंत्योदय' का शाब्दिक अर्थ है-'अंतिम व्यक्ति का उदय'। इसका व्यावहारिक अर्थ है कि गरीब को जीवन की बुनियादी आवश्यकताएँ मिलें, किसान, श्रमिक, दलित, आदिवासी और वंचित वर्ग की समस्याओं का समाधान हो, समाज में कोई भी उपेक्षित या निराश्रित न रहे और आर्थिक असमानता घटे गरीबी का संबोधन खत्म हो ताकि सभी को समान अवसर मिलें। यह केवल आर्थिक उत्थान तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, मानवीय गरिमा और आत्मनिर्भरता की स्थापना का भी संदेश है। आज भारत गरीबमुक्ति की ओर अग्रसर होकर इसी विचार एवं दर्शन को मजबूती दे रहा है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्म दिवस को अंत्योदय दिवस के रूप में मनाने निर्णय इसलिये लिया गया कि उन्होंने जीवनभर वंचितों, गरीबों और समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण के लिए चिंतन और कार्य किया। उनका जीवन तपस्या और सादगी का प्रतीक था। वे स्वयं किसी प्रकार की व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से दूर थे, लेकिन समाज के लिए समर्पित थे।

आज जब भारत 'सशक्त भारत' और 'नए भारत' के निर्माण की दिशा में बढ़ रहा है, तब अंत्योदय का महत्व और भी बढ़ जाता है। भारत में अब भी करोड़ों लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन कर रहे हैं। अंत्योदय यह मांग करता है कि शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएँ हर गरीब और वंचित तक पहुँचें। यह भी सुनिश्चित करना चाहता है कि हर हाथ को काम मिले और हर परिवार आत्मनिर्भर हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को आधार बनाकर 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का मंत्र दिया है। यह मंत्र अंत्योदय की ही आधुनिक व्याख्या है। वर्तमान समय में अंत्योदय का दर्शन और भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि वैश्वीकरण और बाजारवाद की दौड़ में गरीब और उपेक्षित वर्ग अक्सर पीछे छूट जाता है। केवल अमीर और सशक्त वर्ग ही विकास का लाभ उठा पाते हैं। यदि समाज का अंतिम व्यक्ति भूखा सोता है, तो हमारी प्रगति अधूरी है। यदि एक किसान आत्महत्या करने को विवश होता है, तो हमारी नीतियाँ अधूरी हैं। यदि आदिवासी, दलित या श्रमिक अब भी शोषण का शिकार हैं, तो हमारा लोकतंत्र अधूरा है। अंत्योदय इन सभी समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करता है। यह हमें याद दिलाता है कि सच्चा विकास वही है, जिसमें हर कोई भागीदार बने।

भारतीय समाज एवं राष्ट्र को सुखी, संपन्न एवं मंगलकारी बनाने के निमित्त 'एकात्म मानव-दर्शन' व 'अन्त्योदय' की अद्भुत संकल्पना देने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्र-निर्माता एवं समाज-सुधारक महा व्यक्तित्व थे। आज की भारतीय जनता पार्टी उन्हीं के सिद्धान्तों को अग्रसर करते हुए उन्नत, सशक्त एवं विकसित भारत को आकार दे रही है। उन्होंने भारत के जन-मन-गण को गहराई में आत्मसात करते हुए न केवल वैचारिक क्रांति की बल्कि व्यक्ति-क्रांति के भी प्रेरक बने। उनके दर्शन में आज भारत की संस्कृति और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के साथ-साथ मानव को केंद्र-बिंदु में रखकर ही राष्ट्र एवं समाज स्थापना की प्रेरणा मिलती है। सहृदयता, बुद्धिमता, सक्रियता एवं अध्यवसायी वृत्ति वाले पंडित उपाध्याय एक व्यक्ति नहीं, अपितु एक विचार, एक संस्था और जीवन-शैली हैं। भारत और भारतीयता उनके जीवन और चिंतन का आवृत्त है। राष्ट्रसेवा को सर्वोपरि मानने वाले और राष्ट्र एवं समाज के प्रति आजीवन समर्पित रहने वाले पंडितजी ने अपने मौलिक चिंतन से राष्ट्र-जीवन को प्रेरित और प्रभावित किया।

अंत्योदय दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि राष्ट्र की शक्ति का वास्तविक स्रोत वह अंतिम व्यक्ति है जो आज भी अभावों में जी रहा है। यदि उसका जीवन सुधरता है, तभी भारत वास्तव में समृद्ध और सशक्त बन सकता है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय दर्शन आज भी हमारे लिए पथप्रदर्शक है। यह केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि मानवीयता का धर्म है। हमें यह संकल्प लेना होगा कि किसी भी योजना, किसी भी नीति या किसी भी प्रयास का केन्द्र सदैव समाज का अंतिम व्यक्ति होगा। अंत्योदय दिवस का संदेश यही है कि नए भारत का निर्माण तभी संभव है जब वंचित और उपेक्षित व्यक्ति का जीवन बदल जाए, जब हर चेहरे पर मुस्कान और हर जीवन में सम्मान हो।

यह निजी विचार है।

एक अतुल्यै पर्यटन स्थल के रूप में भारत का विकास

रितेश अग्रवाल

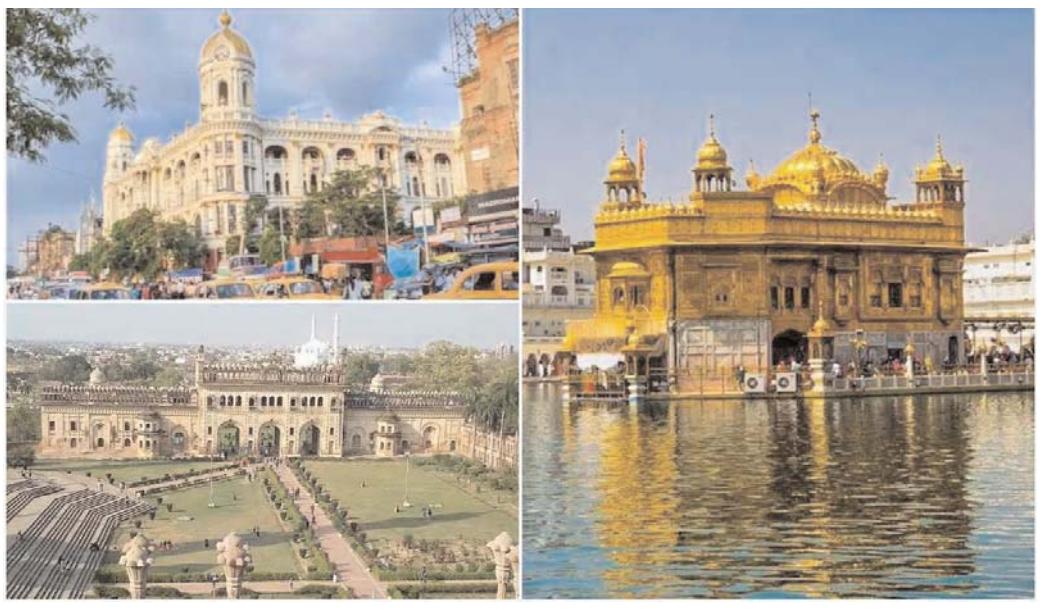

भारत की समृद्ध संस्कृति, आध्यात्मिक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक महत्व इसे दुनिया भर के पर्यटकों के लिए एक मनपसंद पर्यटन स्थरल बनाते हैं। फिर भी, इस क्षेत्र को वर्तमान मोदी सरकार के कार्यकाल में ही वह प्राथमिकता मिली है जिसका यह हकदार है– अर्थव्यवस्था के प्रमुख चालक और सॉफ्ट पावर के एक साधन, दोनों ही रूपों में। प्रधानमंत्री मोदी ने इस क्षमता को गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए भी पहचाना था। पर्यटन भारत में अब

केवल फुरसत में छुट्टियां बिताने का साधन भर नहीं रह गया है; यह रोज़गार, गौरव और विश्व मानचित्र पर भारत को स्थोपित करने का माध्यहम भी बन गया है। पिछले एक दशक के दौरान, भारत में परिवहन अवसंरचना का व्यापक विस्तार हुआ है। राजमार्ग, रेलवे और विमानन नेटवर्क उन क्षेत्रों तक पहुँच चुके हैं, जो पहले दुर्गम हुआ करते थे। स्वदेश दर्शन (विषय-आधारित पर्यटन) और प्रशाद - तीर्थयात्रा पुनरुद्धार एवं आध्यात्मिक संवर्धन अभियान - जैसी योजनाओं ने आस्था और संस्कृति के प्राचीन मार्गों को पुनर्जीवित किया है और साथ ही छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में रोज़गार के अवसर भी पैदा

किए हैं। पिछले दशक के दौरान निर्मित प्रत्येक राजमार्ग, हवाई अड्डा और तीर्थ गलियारा केवल अवसंरचना मात्र नहीं है - यह भारत की विरासत की ओर एक सेतु है।

मोदी के विज़न ने अध्यात्म, स्वास्थ्य, एडवेंचर और व्यावसायिक पर्यटन पर जोर देते हुए अतुल्य भारत 2.0 में नई जान फूंक दी है। बौद्ध सर्किट, रामायण सर्किट जैसे विशेष सर्किट, वाराणसी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और गुजरात में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी लाखों लोगों को आकर्षित करने वाली ऐतिहासिक परियोजनाएं हैं। केदारनाथ, जो कभी त्रासदी से तबाह हो गया था, साल 2024 में 16 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों का स्वागत करने के लिए फिर से तैयार हो गया। एक दशक पहले तक यह आंकड़ा केवल 40,000 का था। महाकाल की नगरी के रूप में पुनर्जीवित उज्जैन ने साल 2024 में 7.32 करोड़ आगंतुकों को आकर्षित किया। काशी ने 11 करोड़ तीर्थयात्रियों का स्वागत किया, जबकि बोधगया और सारनाथ ने साल 2023 में 30 लाख से अधिक साधकों को आकर्षित किया। अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के केवल छह महीनों के भीतर, 11 करोड़ से अधिक भक्तों ने दर्शन किए। महाकुंभ 2025, विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक समागम, में 65 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आए। केदारनाथ का पुनरुद्धार, काशी का कायाकल्प, और अयोध्या का पुनर्जन्म यह दर्शाता है कि किस प्रकार आस्था और अवसंरचनाएं मिलकर यात्रा को पुनर्परिभाषित कर सकते हैं।

डिजिटल इंडिया और स्मार्ट सिटीज़ पर ध्यान केंद्रित करने से बुनियादी ढाँचों और पहुँच में और सुधार हुआ है। आधुनिक हवाई अड्डे, उन्नत राजमार्ग, बेहतर रेल संपर्क और निर्बाध डिजिटल बुकिंग प्रणालियों ने यात्रा को और अधिक सुविधाजनक और विश्वसनीय बना दिया है। डिजिटल ऐप्स, बहुभाषी हेल्पलाइन और अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी भले ही छोटे बदलाव लगें, लेकिन इन सबने मिलकर भारत को दुनिया के सबसे ज़्यादा यात्री-अनुकूल

स्थलों में से एक बना दिया है। साथ ही, वीज़ा मानदंडों में ढील और विस्तारित ई-वीज़ा नीति ने विदेशी पर्यटकों के आगमन को उल्लेखनीय रूप से बढ़ावा दिया है। सरकार ने इको-टूरिज्म, वेलनेस टूरिज्म और एडवेंचर स्पोर्ट्स को भी बढ़ावा दिया है, जिससे यह सुनिश्चित हुआ है कि भारतीय पर्यटन का भविष्य

संतुलन में है - विकास के साथ-साथ स्थायित्वी, बुनियादी ढाँचों के साथ-साथ विरासत और आधुनिकता के साथ-साथ परंपरा। जी-20 शिखर सम्मेलन जैसे उच्च-स्तरीय वैश्विक आयोजनों की भारत द्वारा मेज़बानी ने न केवल आतिथ्य सत्कार, बल्कि सांस्कृतिक गहराई को भी प्रदर्शित किया। ऐसे अवसरों ने भारत को एक आधुनिक अर्थव्यवस्था और एक शाश्वत सभ्यता, दोनों के रूप में स्थापित किया, जिसने अंतर्राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया और विदेशों से अधिक से अधिक पर्यटकों को प्रोत्सा,हित किया।

नीतियों से परे, मोदी जी जिस तरह से भारतीय संस्कृति और पर्यटन स्थलों का समर्थन करते हैं, उसका एक व्यक्तिगत पहलू भी है। योग को दुनिया भर में लोकप्रिय बनाने से लेकर केदारनाथ में नंगे पैर चलने और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के पानी में गोता लगाने तक, उन्होंने न केवल भाषणों के माध्यम से, बल्कि अपने अनुभवों के माध्यम से भी दुनिया को भारत से परिचित कराया है। ऐसा करके, वे स्वयं एक सांस्कृतिक राजदूत बन गए हैं, और

इस विचार को पुष्ट कर रहे हैं कि ब्रांड इंडिया का निर्माण केवल बोर्डरूम या नीतिगत दस्तावेजों में ही नहीं, बल्कि वाराणसी के घाटों, हिमालय की चोटियों और केरल के तटों पर भी हो रहा है। श्री मोदी पर्यटन का सिर्फ़ समर्थन ही नहीं करते; वे उसे साकार भी करते हैं। सोशल मीडिया पर भारतीय स्थलों का बार-बार प्रदर्शन, भाषणों में स्थानीय त्योहारों और परंपराओं का ज़िक्र, और भारतीयों से ''पहले भारत को जानो'' का आह्वान, इन सबने घरेलू पर्यटन के प्रति गौरव का भाव जगाया है। यहाँ तक कि आधिकारिक दौरों पर उनका पहनावा – चाहे नागा शॉल हो, हिमाचली टोपी हो या तमिल वेष्टि – क्षेत्रीय पहचान और परंपराओं के प्रति उनका सम्मानटन होता है, जो विविधता में एकता का प्रतीक है।

एक राष्ट्रीय नेता और एक वैश्विक राजनेता, दोनों के रूप में मोदी भारत की सौम्य शक्ति, संस्कृति और आध्यात्मिकता के महत्व को समझते हैं। संयुक्त राष्ट्र, विश्व आर्थिक मंच और जी-20 शिखर सम्मेलन में उनके संबोधन अक्सर भारत की विरासत को गौरवान्वित करते हैं। योग और आयुर्वेद के प्रति उनके वैश्विक प्रोत्साहन ने भारत को समग्र स्वास्थ्य के केंद्र के रूप में स्थापित किया है। आज, देश भर के ध्यारन-आश्रम 120 से अधिक देशों के साधकों को

आकर्षित करते हैं, जो इस बात का प्रमाण है कि कैसे प्राचीन पद्धतियां दुनिया भर में आधुनिक जीवनशैली को आकार दे रही हैं।

इस प्रकार, उनके नेतृत्व में पर्यटन रोज़गार, विकास और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का एक सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। भारत में साल 2024 में घरेलू पर्यटकों की संख्याआ 294.76 करोड़ थी, जो पिछले वर्ष की तुलना में 17.36न अधिक है। जैसे-जैसे यह क्षेत्र निरंतर विस्तृोत हो रहा है, भारत न केवल अपने अतीत का जश्न मना रहा है, बल्कि एक ऐसे भविष्य का निर्माण भी कर रहा है जहाँ हर क्षेत्र का वैश्विक मानचित्र पर अपना एक स्थान हो। प्रत्येक

राज्य, शहर और गाँव को अब अपनी कहानी कहने का अवसर मिला है–और मोदी जी के नेतृत्व में ये कहानियाँ दुनिया तक पहुँच रही हैं।

एक ऐसे नेता के साथ जो ''ब्रांड इंडिया'' की शक्ति में विश्वास रखता है, भारतीय पर्यटन का भविष्य मजबूत, गतिशील और चिरस्थाडयी है।

(लेखक एक आतिथ्य श्रृंखला, प्रिज्म के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं। इस लेख में व्यक्त विचार और राय उनके निजी हैं।)

पद्मश्री स्व रामलाल चतुर्वेदी के संस्मरण से

नरियरा की रासलीला का अपना अनूठा इतिहास रहा है। बीसवीं सदी के दूसरे दशक से इसकी शुरूआत का पता चलता है। श्री प्यारेलाल सनाढ्य बहुत पहले यहा रासलीला किया करते थे। उसके बाद के यहां मालगुजार श्री कौशल सिंह जो मंझला गौटिया के नाम से क्षेत्र में? जाने जाते थे, ने इनको अपने मन माफिक संगीत कला के समारोह को करने का अवसर दिया। वे कृष्ण के परम भक्त थे। भक्ति पद गाते-गाते भावातिरेक में रोने लगते थे। यहां की रासलीला को वे वृन्दावन की तरह ही करते थे। एक बार उन्होंने बताया था कि सडक-सफाई करने वाले मेहतरों के झगड़े को सुनकर वे श्रीभाषा का ज्ञान बढ़ाते थे। विद्वजनों से रासलीला की गुटका भी विनय प्राप्त हुआ था।

नरियरा की रामलीला माघ सुदी एकादशी से होकर पन्द्रह दिनों तक होती थी। इस लीला को देखने रायपुर से लीला प्रेमियों की जमात आती थी। साधुओं की मंडली आती थी। सब सतीषा में ठहरते थे। पहले दूसरे के हाथ का पकाया भोजन लोग नहीं चाहते थे तो सवा डेढ़ सौ चूल्हा जलता था। चूल्हा बनवाकर रखा जाता था। ताकि देव स्वरूप अतिथियों को कोई असुविधा न हो। मंगला गौटिया ने राधा कृष्ण तथा बलराम जी का मंदिर बनवाया एवं उनकी अपलक दर्शनीय मूर्ति स्थापित की। मंदिर के प्रतिध्वनिवर्धक मंडप में श्रावणमासी झूला लीला का आयोजन हुआ करता था।

सन् 1940 तथा 41 में मुझे श्रीकृष्ण के अभिनय का सुअवसर प्राप्त हुआ। 66-67 वर्ष पहले की बात है। सावन में प्रायः रात को वर्षा होते रहती थी, वह दृश्य चल चित्र की तरह मानस पटल पर आज भी उभर जाता है। बारिस में झड़ी में मेध मल्हार देस, सिंधुरा आदि शास्त्रीय रागो में जमुना कदम डार.... झूलत श्याम श्यामा संग..... बदरवा बरसन को आये..... आदि अन्य पदों की स्वर लड़ी में सारंगी, तबला हारमोनियम मंजीरा एवं पखावज के ध्वनि समूह में मेघराज में स्पुष्ट गर्जन ठर्जन के बीच राधा कृष्ण के सखिनन संग नृत्य करते पगबंधी की कड़ी के स्वर-सामंजस्य से जो कर्णप्रिय लोकोतर आनंद मिलता था जो अनिर्वचनीय, अविस्मरणीय है। आपको यह जानकर सुखद आश्चर्य होगा कि वहां दर्शकों के बैठने की चुस्त दुरूस्त छायादार व्यवस्था आज से 70 बरस पहले छत्तीसगढ़ में कदाचित कहीं कोई नरियरा जैसा रंगमंच रहा होगा, जहां दर्शकों के बैठने की स्थायी निरापद छायादार व्यवस्था रही हो, जिसमें महिलाओं के लिये अलग पर्याप्त स्थान सुरक्षित था। बात तब की है जब यह गांव सड़क मार्ग से जुड़ा नहीं था। मंदिर का निर्माण 1920 में हुआ। मंझला गौटिया ने 91 एकड़ जमीन देकर राधाकृष्ण मंदिर का ट्रस्ट बना दिया। मंदिर की संपदा में अकलतरा में दुकान और बनाहिल राइस मिल में से हिस्सेदारी रही है। श्री सम्पन्न मंदिर न जाने कितने आगतों का आवभगत करता था। नरियरा के निवासी लीला के लिये लगान का चतुर्थांशं प्रतिवर्ष दिया करते थे। लीला के समय गांव की बेटियां लिवाकर तीजा मे तेवहार की तरह लाई जाती थी। नातेदार सगे संबंधी आते. दिन भर आने जाने वालों की हलचल, तालाबों के घाटों में बतकही का गलबजार, शाम रात सारा आलम लीला स्थल में सिमट आता था। भक्ति की भावना प्रबल थी।

जब मैं वहां कृष्ण बना, तब मेरी मां लीला देखने आई थी। जब वह तालाब में नहाने जाती तब महिलायें भगवान के दाई आये हैं' कहकर एक दूसरे को बताती, चरण स्पर्श करती थी। भगवान के प्रति 62 साल पहले कैसी भावना थी, उसकी यह एक झलक है। लीला के व्यास होते थे, भक्त प्रवर मंझिला गौटिया कौशल सिंह (पखावज) हारमोनियम पर प्रभु प्रदत्त कंठ स्वर धनी प्रसिद्ध संगीतज्ञ ठाकुर बिसेसर सिंह, जिन्होंने नासिक जाकर पंडित बिष्णु दिगंबर पलुस्कर के भतीजे श्री चिन्तामन राब से गायन बादन की शिक्षा ली थी और उनने पलुस्कर जी की प्रातः कालीन प्रार्थना ÷रचा प्रभु तूने यह ब्रम्हांड सारा÷ को लीला का मंगलाचरण बनाया था। तबला वादक पं. गोकुल प्रसाद दुबे एवं भारत प्रसाद सारंगी वादक थे। बाद में वहां कुछेक लीला मंडलियाँ बनी जो घूम घूम कर लीला किया करती थी। वैसा ही बृन्दावनी पद्धति उन सबकी थी।

सामान्यतः देवकी वसुदेव विवाह, कृष्ण जन्म, बाल लीला पूतना, अघासुर, बकासुर आदि राक्षसों के साथ कंस वध तो होता ही था, उसके सिवाय चन्द्र प्रस्ताव, यमलार्जुन माखनचोरी, गोचारन,लीला, चीरहरण, जोगन लीला, प्रथम स्नेह लीला भी की जाती थी। श्लोक भी होते, गीत गोविन्द के पद भी गाये जाते थे। नरियरा की लीला की अपनी खास विशेषता थी। एक तो वह मात्र मनोरंजन के लिए नहीं बल्कि भक्ति भाव विस्तार का अनुष्ठान थी। लीला में प्रयुक्त पद शास्त्रीय राग रागिनियों में निबद्ध, बृज की मधुर भाषा और भगवान की मनुष्यों के द्वारा की जाने वाली लीला में किशोर कलाकारों के माध्यम से प्रदर्शित हाव भाव अनिर्वचनीय आनंद का अनुभव कराने वाला होता था।

नरियरा की लीला में अभिनय करने वालों की श्रृंखला में सर्वश्री जनकराम सैदा, कपिल महाराज अमोरा, गोकुल प्रसाद दुबे, राजाराम कुंजराम नरियरा, रामवल्लभ दास, प्रभुदयाल, मदन लाल, वैष्णव, श्यामलाल चतुर्वेदी कोटमी, तथा दादू सिंह (गीद) जिन्होंने 'रहस' को अनुष्ठानिक उंचाई दी और प्रान्त प्रसिद्ध बनाया। इसके सिवाय अन्य अनेक कलाकार रहे। यहां लीला का अंतिम प्रदर्शन विक्रम संवत 2000 सन् 1944 में रतनपुर में आयोजित विष्णु महायज्ञ के अवसर पर हुआ।

स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार से होगा सशक्त समाज – श्री शिवराज सिंह चौहान

भारत की आबादी और विशाल बाजार देश की ताकत है- श्री शिवराज सिंह

जीएसटी दरों में कमी का लाभ सीधे किसानों-जनता तक पहुंचना चाहिए- श्री चौहान

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश तेजी से आत्मनिर्भर बन रहा है- श्री शिवराज सिंह चौहान

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने स्वदेशी उत्पाद अपनाने का आह्वान किया

पीआईबी

केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज संसदीय क्षेत्र विदिशा की विधानसभा बुधनी में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित कई कार्यक्रमों में सहभागिता की। उन्होंने सबसे पहले वृक्षारोपण व 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' कार्यक्रम और रक्तदान शिविर में शामिल होकर उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। साथ ही शिवराज सिंह चौहान ने प्रबुद्धजन संवाद कार्यक्रम में व्यापारियों से मुलाकात कर नए जीएसटी सुधारों पर विस्तार से चर्चा की। इसके अलावा, उन्होंने स्वच्छता कार्यक्रम में भाग लेते हुए सभी को स्वच्छता की शपथ दिलाई और स्ट्रीट वेंडर्स चौपाल में पहुंचकर वेंडरों से संवाद किया और उनकी समस्याओं को सुना। साथ ही श्री शिवराज सिंह ने बुधनी विधानसभा में दुकानों और घरों पर स्वदेशी के समर्थन में स्टीकर लगाया और नागरिकों से स्वदेशी अपनाने की अपील की। वहीं केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधनी विधानसभा क्षेत्र में लगभग 110 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन और शिलान्यास भी किया और कहा कि, बुधनी लगातार विकास के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है।

केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि स्वदेशी का अर्थ है, वो वस्तुएँ जो अपने देश में ही बनी हों और जिनमें देशवासियों का परिश्रम और पसीना लगा हो। उन्होंने कहा कि, स्वदेशी उत्पाद ही रोजगार सृजन करते हैं और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करते हैं। केन्द्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि, भारत की बढ़ती आबादी और विशाल बाजार देश की ताकत है। अमेरिका की आबादी 30 करोड़ है, पूरे यूरोप की 50 करोड़, जबकि भारत 144 करोड़ के साथ जल्द ही 150 करोड़ की दहलीज पार करने वाला है। हमारे लोगों के हितों की रक्षा करते हुए ही कोई समझौता होगा। श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, भारत के सामान पर टैरिफलगाए जाने की परवाह देश को नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि, 144 करोड़ उपभोक्ताओं से बड़ा बाजार कहीं नहीं है। अगर हम अपने देश में बनी चीज़ें ही खरीदने लगें, तो दुनिया हमारी प्रगति नहीं रोक सकती। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के स्वदेशी मंत्र के तहत भारत तेजी से आत्मनिर्भर बन रहा है। पहले मोबाइल विदेशों से मंगाए जाते थे, अब भारत उनका निर्यात कर रहा है। साथ ही देश में सेमीकंडक्टर चिप निर्माण भी शुरू हो चुका है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि भारतीय युवाओं के पास असाधारण प्रतिभा है और वे हर उस चीज़ का उत्पादन करने में सक्षम हैं, जो अब तक बाहर से आती रही है। जो चीज़ें आज नहीं बन रहीं, वे भी भारत में बनेंगी।

केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी रिफॉर्म पर कहा कि, जीएसटी दरों में कमी का सीधा लाभ जनता तक पहुँचना चाहिए। उन्होंने कहा कि खाने-पीने का सामान, कपड़े, बर्तन जैसी रोजमर्रा की वस्तुएँ और कृषि उपकरण सस्ते हुए हैं। श्री चौहान कहा कि 35 हार्सपावर के ट्रैक्टर पर जीएसटी घटने से किसानों को करीब 41 हजार रुपए तक का सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा, ये फायदा किसानों और आम जनता तक पहुँचना ही चाहिए। जीएसटी की घटी दरों का पूरा लाभ उपभोक्ताओं को ट्रांसफर करना आवश्यक है। जीएसटी काउंसिल के फैसले के बाद अब कृषि उपकरणों पर जीएसटी की दर 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दी गई है। इसका सीधा असर उपकरणों की कीमतों पर पड़ा है और कई मशीनें पहले के मुकाबले हजारों रुपये तक सस्ती हो गई हैं। छोटे किसान हों या बड़े, अब ट्रैक्टर, थ्रेशर, रोपण यंत्र, मल्चर और स्प्रेयर तक खरीदना आसान हो जाएगा। श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि केंद्र सरकार का लक्ष्य किसानों की लागत घटाना और उन्हें आधुनिक उपकरण सुलभ कराना है। जीएसटी दरों में कटौती से छोटे-बड़े सभी किसान सस्ती मशीनरी खरीद पाएंगे। यह फैसला प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर किसान, आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है।

केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने विधानसभा बुधनी में स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन का पहला सुख निरोगी काया है। उन्होंने कहा, अगर कोई बीमार हो जाए तो बाकी चीजें याद ही नहीं रहती। शरीर ही सभी धर्मों का पालन करता है, इसलिए शरीर का स्वस्थ होना जरूरी है। उन्होंने ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन पर शुरू हुआ यह अभियान लगातार चल रहा है और इसके अंतर्गत बुधनी क्षेत्र की माताओं-बहनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कई बार महिलाएं अपनी परेशानी बताती नहीं हैं और काम करती रहती हैं, जिससे बीमारियाँ गंभीर रूप ले लेती हैं। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि, पहले टीबी एक खतरनाक बीमारी मानी जाती थी, लेकिन अब इसका इलाज संभव है। उन्होंने कहा कि, पूरे क्षेत्र को टीबी मुक्त बनाया जाएगा और इसके लिए समुचित व्यवस्था की जाएगी। आज हम बहनों को पोषण टोकरी दे रहे हैं। जल्दी जांच और समय पर इलाज से कोई भी बीमारी नियंत्रित की जा सकती है। शिविर में हर विभाग के डॉक्टर मौजूद हैं और बुधनी सिविल अस्पताल में 30 डॉक्टर तैनात किए गए हैं, ताकि महिलाओं को चेकअप के लिए बाहर न जाना पड़े। श्री चौहान ने आश्वस्त किया कि, जब तक सभी बहनों का स्वास्थ्य परीक्षण नहीं हो जाता, तब तक शिविर जारी रहेगा।

केन्द्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव भी प्रारंभ होने वाला है। खेल केवल बच्चों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इसमें बहनों और बेटियों की भी सहभागिता होगी। उन्होंने कहा कि, जिंदगी में खेल भी और खेल जिंदगी में कई दुख दूर कर देता है। इसलिए मैं चाहता हूं कि, सभी भाई-बहन खेलों में शामिल हों और आनंदित हों। उन्होंने खेलों की विस्तृत रूपरेखा बताते हुए कहा कि, सांसद खेल महोत्सव में रस्साकशी, कुर्सी दौड़, नीबू दौड़ सहित कबड्डी और क्रिकेट जैसे खेल गाँव-गाँव आयोजित किए जाएंगे। इसमें भाग लेने वाली बहनों और बेटियों के लिए सर्टिफिकेट और पुरस्कार की भी व्यवस्था की जाएगी। श्री शिवराज सिंह चौहान ने टीम रजिस्ट्रेशन की जानकारी भी साझा की और लोगों से अपील की कि, अपने गाँव या मोहल्ले की टीम रजिस्टर कराएँ ताकि प्रतियोगिता में शामिल हो सकें।

द वेल्थ कंपनी म्यूच्यूअल फण्ड ने छत्तीसगढ़ के उभरते एवं समावेशी निवेश ऊर्जा का नेतृत्व किया

रायपुर, पँटोमैथ समूह की एसेट मैनेजमेंट कंपनी, द वेल्थ कंपनी एसेट मैनेजमेंट होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड ने आज रायपुर, छत्तीसगढ़ में अपने विशेष पहल 'एमएफ दीदीज़' के माध्यम से समावेशी निवेश अभियान की शुरुआत की। यह छत्तीसगढ़ में वित्तीय समावेशन यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। देशभर में अहमदाबाद, भुवनेश्वर, पटना, मुंबई, पुणे, गुवाहाटी, कोच्चि, नागपुर, जयपुर और अन्य शहरों में आयोजित डिस्ट्रीब्यूटर मीट्स की श्रृंखला के अंतर्गत, द वेल्थ कंपनी म्यूचुअल फंड की संस्थापक, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री मधु लूणावत ने रायपुर में आयोजित सभा को संबोधित किया और एमएफ दीदीज़ पहल व द वेल्थ कंपनी म्यूच्यूअल फण्ड के अभी चालू न्यू फंड ऑफर (NFOs) पर प्रकाश डाला।

'एमएफ दीदीज़' भारत की पहली पूर्णतः निजी प्रायोजित पहल है, जिसे द वेल्थ कंपनी ने शुरू किया है। इसका उद्देश्य टियर-II और टियर-III शहरों की महिलाओं को प्रशिक्षित करना, प्रमाणित करना और उन्हें म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में सशक्त बनाना है। अनिवार्य NISM V-A सर्टिफिकेशन से आगे बढ़कर, 'एमएफ दीदीज़' वित्तीय साक्षरता, नैतिक आचरण, निवेशक जागरूकता और स्थानीय नेटवर्क निर्माण जैसे मॉड्यूल प्रदान करता है। लक्ष्य अगले तीन वर्षों में 5,000 महिलाओं को जोड़ने का है, और अब तक यह पहल 1,000 से अधिक प्रतिभागियों को शामिल कर चुकी है, जो प्रारंभिक लक्ष्य से आगे है।

सभा को संबोधित करते हुए सुश्री मधु लूणावत, संस्थापक, प्रबंध निदेशक एवं सीईओ, द वेल्थ कंपनी म्यूचुअल फंड ने कहा, ÷छत्तीसगढ़ आज एक ऐसे परिवर्तन के द्वार पर खड़ा है, जहां परंपरागत बचत की सोच से आगे बढ़कर डिजिटल निवेश, अनुशासित संपत्ति निर्माण और समावेशी वित्तीय विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। हमें छत्तीसगढ़ के युवा शक्ति और यहां की महिलाओं में छत्तीसगढ़ की संपत्ति को सहेजने और आगे बढ़ाने की क्षमता दिखाई देती है। द वेल्थ कंपनी म्यूचुअल फंड में हमारा मिशन है कि निवेश को हर रायपुर परिवार के लिए सहज, विश्वसनीय और सुलभ बनाया जाए। नवीन योजनाओं, डिजिटल ऑनबोर्डिंग और 'एमएफ दीदीज़' जैसी पहल के माध्यम से हम रायपुर को म्यूचुअल फंड ग्रोथ सेंटर के रूप में उभरने की गति देना चाहते हैं।÷

AMFI के राज्यवार रूआंकड़ों के अनुसार, छत्तीसगढ़ के म्यूचुअल फंड परिसंपत्तियां लगभग 43,100 करोड़ तक पहुंच चुकी हैं (अप्रैल 2025 तक)। यह राज्य में खुदरा निवेशकों की बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है और रायपुर जैसे क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर गहरी पैठ बनाने की संभावना को उजागर करता है। शैक्षणिक अध्ययनों से पता चलता है कि रायपुर शहर के शहरी निवेशकों में म्यूचुअल फंड के प्रति जागरूकता बढ़ रही है और अपनाने की दर धीरे-धीरे मजबूत हो रही है। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (SIP) वेतनभोगी और मध्यम आय वर्ग के लिए अनुशासित निवेश का प्रमुख साधन बन रहा है। रायपुर की महिला निवेशक घरेलू वित्तीय निर्णयों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं और स्थानीय पोर्टफोलियो में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की वृद्धि में योगदान दे रही हैं। वहीं, डिजिटल प्लेटफॉर्म से सहज युवा पहली बार निवेश करने वाले निवेशक, रायपुर और आसपास के जिलों में नए फोलियो निर्माण को गति दे रहे हैं।

राज्यपाल श्री डेका से हार्टफुलनेस संस्थान के डायरेक्टर श्री चॉवला ने की सौजन्य भेंट

रायपुर,

राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज राजभवन में हार्टफुलनेस संस्थान के डायरेक्टर श्री त्रिलोचन चॉवला ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने राज्यपाल को संस्थान के प्रमुख श्री कमलेश डी. पटेल (दाजी) द्वारा जैन तीर्थंकरों पर लिखी पुस्तक भेंट की। भेंट के दौरान श्री चॉवला ने छत्तीसगढ़ में संस्थान द्वारा संचालित आध्यात्मिक और सामाजिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने राज्यपाल को प्रदेश में नशामुक्ति अभियान के लिए संस्थान की कार्ययोजना से भी अवगत कराया। राज्यपाल श्री डेका ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि नशामुक्त समाज निर्माण की दिशा में ऐसे प्रयास अनुकरणीय हैं और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में सहायक सिद्ध होंगे।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा के साथ पटना में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करते हुए।

पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह सोमवार, 29 सितंबर, 2025 को बेंगलुरु में आयुक्त कार्यालय में 9.93 करोड़ रुपये मूल्य की जब्त की गई दवाओं का निरीक्षण करते हुए।

भारतीय सांख्यिकी सेवा, प्रशिक्षु अधिकारियों ने राष्ट्रपति से मुलाकात की

जुनून और ईमानदारी के साथ सेवा करके आप एक अधिक समृद्ध, सशक्त और समावेशी राष्ट्र के निर्माण में योगदान कर सकते हैं: राष्ट्रपति मुर्मु ने अधिकारियों से कहा

पीआईबी – भारतीय सांख्यिकी सेवा, भारतीय कौशल विकास सेवा और केंद्रीय अभियांत्रिकी सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों ने आज (29 सितंबर, 2025) राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की।

भारतीय सांख्यिकी सेवा के अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि सुदृढ़ नीति निर्माण और कार्यान्वयन सटीक सांख्यिकीय विश्लेषण पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि आज की आंकड़ा आधारित दुनिया में सांख्यिकी की प्रासंगिकता बहुत बढ़ गई है। उन्होंने आधिकारिक आंकड़ों के संकलित करने और उनका विश्लेषण करने में सांख्यिकी अधिकारियों के रूप में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने आगे कहा कि उनके काम के लिए सांख्यिकीय तरीकों में विशेषज्ञता की आवश्यकता है, जिसका उपयोग वे राष्ट्र की बढ़ती डेटा और सूचना आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए करेंगे।

भारतीय कौशल विकास सेवा (आईएसडीएस) के अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि कौशल और ज्ञान किसी भी राष्ट्र के लिए आर्थिक विकास और सामाजिक प्रगति के सच्चे इंजन हैं। वे देश जो उच?च कौशलयुक?त कार्यबल का निर्माण करते हैं, वैश्विक चुनौतियों का बेहतर ढंग से सामना करने और विकास के विभिन्न क्षेत्रों में उभरते अवसरों को प्राप्त करने में सक्षम होते हैं। जैसे-जैसे भारत प्रौद्योगिकी-संचालित विकास के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है, यह अनिवार्य है कि हमारे युवा उन्नत प्रौद्योगिकी संबंधी कौशल अपनाएं और उसके अनुरूप स?वयं को ढालें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि युवा आईएसडीएस अधिकारी विशेषज्ञ कौशल प्रशासकों के एक कैडर के रूप में उभरेंगे और एक मजबूत, भविष्य के लिए तैयार कार्यबल को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

केंद्रीय अभियांत्रिकी सेवा के अधिकारियों को संबोधित करते हुए, राष्ट्रपति ने कहा कि अभियंता किसी भी राष्ट्र की प्रौद्योगिकी संबंधी प्रगति और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सरकार द्वारा बड़े पैमाने पर अवसंरचना विकास पर जोर दिए जाने के साथ अभियांत्रिकी क्षेत्र उल्लेखनीय वृद्धि के लिए तैयार है। उन्होंने सीपीडब्ल्यूडी जैसे संगठनों से इन पहलों के लिए तकनीकी आधार प्रदान करने में नेतृत्व करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना भी महत्वपूर्ण है कि विकास सतत हो। उन्हें यह जानकर प्रसन्नता हुई कि सीपीडब्ल्यूडी पर्यावरण-अनुकूल उपाय अपना रहा है।

राष्ट्रपति ने कहा कि अधिकारी केवल नीति कार्यान्वयन में ही नहीं, बल्कि प्रभावी प्रतिपुष्टि के माध्यम से नीति-निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि सभी के, विशेषकर कमज़ोर और वंचित वर्गों के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ही देश के विकास की गति तय करेगी। उन्होंने आगे कहा कि जुनून और ईमानदारी के साथ सेवा करके अधिकारी एक अधिक समृद्ध, सशक्त और समावेशी राष्ट्र के निर्माण में योगदान कर सकते हैं। अपने ईमानदार प्रयासों से वे सुनिश्चित कर सकते हैं कि भारत विश्व के समक्ष शक्ति और प्रगति का आदर्श बने।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता
महानदी गोदावरी कछार, रायपुर (छ.ग.)
ई–प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 176658/निविदा सूचना क्र. 04/वलेलि/2025–26, डोंगरगांव दिनांक 26.09.2025

निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक 17.10.2025 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है:–

कार्य का नाम – राजनांदगांव जिले के विकासखण्ड छुरिया की घुमरियानाला बैराज के जंतर माईनर के आर.डी. 30 मी. से 1250 मी. तक 1200 मि.मी. एन.पी. 3 पाईप लाईन कार्य एवं 07 नग स्ट्रक्चरों का निर्माण कार्य।

अनुमानित लागत – रू. 343.71 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई–प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 03.10.2025 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई–प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन बैराज संभाग, डोंगरगांव
कृते मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार,
जल संसाधन विभाग, रायपुर, छ.ग.

G-252603826/5

बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान : कलेक्टर ने बाल विवाह रोकथाम रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जांजगीर-चांपा

कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने आज कलेक्ट्रेट परिसर से बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान अंतर्गत बाल विवाह रोकथाम रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री ज्ञानेंद्र सिंह ठाकुर , जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती अनिता अग्रवाल, जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री गजेंद्र सिंह जायसवाल सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थि थे।

जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री गजेंद्र सिंह जायसवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के संकल्प अनुरूप छत्तीसगढ़ को बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान अंतर्गत राज्य को वर्ष 2028 से 2029 तक बाल विवाह मुक्त घोषित करने के निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने के उद्देश्य की पूर्ति हेतु बाल विवाह रोकथाम जागरूकता रथ रवाना किया गया। राज्य शासन द्वारा जिले के समस्त ग्राम पंचायत सचिवों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी घोषित किया गया है। राज्य शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति हेतु बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान अंतर्गत बाल विवाह रोकथाम रथ को रवाना कर समस्त गांव एवं शहरों में दुर्गा पंडालों में बाल विवाह के दुष्परिणामों को अवगत कराते हुए हस्ताक्षर अभियान चलाकर लोगों को बाल विवाह की रोकथाम हेतु जागरूक किया जायेगा।

उन्होंने बताया कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत विवाह के लिए लड़की की उम्र 18 वर्ष तथा लड़के की उम्र 21 वर्ष निर्धारित है। निर्धारित उम्र से कम होने की स्थिति में बाल विवाह करने पर पुलिस विभाग द्वारा अपराध पंजीबद्ध करते हुए विवाह करने वाले माता-पिता, विवाह में सम्मिलित होने वाले रिश्तेदार, विवाह कराने वाले पंडित के विरूद्ध कार्यवाही की जावेगी। अधिनियम के तहत 02 वर्ष के कठोर सश्रम कारावास तथा 01 लाख के जुर्माने अथवा दोनों से दंडित किया जाने का प्रावधान है।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में मिली अनियमितताएं ग्राम पंचायत कर्रा के सचिव को किया गया निलंबित

जांजगीर-चांपा जनपद पंचायत नवागढ़ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा ग्राम पंचायत कर्रा का निरीक्षण 23 सितम्बर को किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत लाभान्वित हितग्राहियों से चर्चा एवं भौतिक सत्यापन किया गया, जिसमें गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। मौके पर सचिव श्री बुधराम कश्यप से कार्यों की प्रगति संबंधी जानकारी ली गई, किंतु उनका उत्तर संतोषजनक नहीं पाया गया। इस पर जारी स्पष्टीकरण के जवाब को भी असंतोषजनक मानते हुए जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे ने इसके चलते सचिव श्री बुधराम कश्यप को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जिला पंचायत से मिली जानकारी के अनुसार सचिव श्री बुधराम कश्यप द्वारा अपने पदीय कर्तव्यों का समुचित निर्वहन नहीं किया गया है। उनका आचरण लापरवाही, उदासीनता एवं अनुशासनहीनता की श्रेणी में पाया गया, जो छत्तीसगढ़ पंचायत (आचरण) नियम 1998 के विपरीत है। सचिव श्री बुधराम कश्यप को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय जनपद पंचायत नवागढ़ रहेगा तथा उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्राप्त होगा।

माता की झलक पाने उमड़े श्रद्धालु, जाम से हुए हलाकान...

देशभर से पहुंच रहे श्रद्धालु शांति के प्रतीक म्यांमार बर्मा के श्वेत मंदिर की प्रतिकृति का आकर्षक पंडाल.....

जांजगीर-चांपा

जिला मुख्यालय में दुर्गा पूजा उत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस वर्ष म्यांमार बां श के सुप्रस्सिद्ध श्वेत मंदिर की प्रतिकृति का 140 फ ीट ऊंचा और 150 नेट चौड़ा भव्य पंडाल आकर्षण का केंद्र है। माता के दर्शन के लिए प्रतिदिन लुओं की भी बदती ही जा रही है। नगर रविवार को अवकाश होने के करणद्धालुओं की इतनी भीड़ उमड़ी की शहर में जाम की स्थिति निर्मित हो ई। पंडाल में पैर रखने की जगह नहीं थी।

यातायात पुलिस को व्यवस्था बनाने मैं काफी मशक्कत करनी पड़ी। श्री श्री दुर्गा सेवक उत्सव 42 साल से मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की जा रही है। इस साल अग्रसेन भवन नैला के सामने म्यांमार बर्मा के श्वेत मंदिर की तर्ज पर भाग 140 फीट ऊंचा और 150 फीट चौड़ा पंडाल बनाया गया है. जिसे बंगाल के 35 से 40 कारीगरों द्वारा तैयार किया गया है। भव्य पंडाल में मां दुर्गा की 35 फीट ऊंची मूर्ती बनाई गई है।

मां दुर्गा की प्रतिमा भटगांव के मुर्तिकार प्रदीप देवांगन और उसके सहयोगियों के द्वाना बनाया गया है। समिति के राजेश राजू पालीवाल ने बताया कि पंडाल के भीतर मां दुर्गा की35 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित की गई, जोहीरे मोती और रत्नों से अलंकृत है। इसभव्य प्रतिमा की पृष्ठभूमि राम मंदिर के गुंबदों और महल की शैली में निर्मित की गई है, जो एक दिव्य आभा प्रदान कर रहीहै, यह नयनाभिराम दृश्य भक्तों को एक अलौकिक लोक का अनुभव करा रहाहै। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा प्राथमिकता देते हुए आयोजन समितिविशेष प्रबंध किए हैं। सुरक्षा लिए पंडाल के आसपास सौ सीसीटीवी लगाए गए हैं। साथ ही दो सौ वॉलिंटियर तैनात हैं ,जो व्यवस्था बनाने कोलगे हुए हैं। इसके अलावा डिजिटल निगरानी स्वच्छता व्यवस्था चिकित्सा आपातकालीन सेवाएं चौबीसौ घंटे उपलब्ध है। नैलाका दुर्गा उत्सव प्रदेश ही नहीं बल्कि देशभर में प्रसिद्ध हो चुका है।

प्रतिमा व पंडाल की भव्यता देखने उमड़ रहे लोग .... राजेश पालीवाल

नैला दुर्गोत्सव की माँ दुर्गा की प्रतिमा और पंडाल की भव्यता हर साल श्रद्धालुओं के लिए खास रहता है। मां दुर्गा की प्रतिमा और पंडाल में विशेष लेजर शो और लाइटिंग प्रभाव का

समावेश किया गया है जो लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। दूर दूर से लोग माता की दर्शन करने और पंडाल की लाइटिंग देखने खींचे चले आ रहे हैं। पिछले वर्ष बैंकाक (थाईलैंड) के विश्व प्रसिद्ध वाट अरूण यानि भोर का मंदिर की प्रतिकृति का भव्य पंडाल का निर्माण कराया गया था।

चारों दिशाओं में लगा जाम, हलाकान हुए श्रद्धालु..... जैसे जैसे नवरात्र का दिन कम होते जा रहा है वैसे वैसे माता के दर्शन करने के लिए श्रद्धालुऔ की संख्या बढ़ती जा रही है। रविवार को अवकाश होने के कारण श्रद्धालुओं की भीड़ इतनी उमड़ी की शहर की चारों दिशाओं में जाम की स्थिति निर्मित हो गई। केरा रोड, अकलतरा रोड, चांपा मार्ग और नैला मार्ग में हर दस दस मिनट में जाम लगने लगा। व्यवस्था बनाने के लिए चौक चौराहों तैनात जवान और वालिटियर को काफी मशक्कत करनी पड़ी। चांपा मार्ग में नहर पुल के पास शाम को जाम की स्थिति निर्मित हो गई। यह यातायात एएसपी उदयन बेहार को मोर्चा संभालना पड़ा।

उधर गेमन पुल में भी लगा जाम ..... मां के दर्शन के लिए उमड़ी भारी के कारण जांजगीर और चांपा को जोड़ने वाली हसदेव नदी पर स्थित गेमन पुल पर भी वाहनों का जाम लग गया । इसके कारण जांजगीर की ओर लछनपुर चौक और चंपा की ओर की भालेराव मैदान चौक तक नाम चारपहिया और दो पहिया वाहनों की लंबी कतारे लगी रही। करीब दो घंटे से अधिक समय तक पुल पर जाम लगा रहा।

लगता है माँ खुद पंडाल में है विराजित..... शक्ति की आराधना की जा रही है, देवी मंदिरों में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं , जो पंडालों में भी माता प्रतिमाएं विराजित की गई है, इस बार नैला दुर्गा उत्सव पंडाल में इतनी संजीव प्रतिमाएं स्थापित की गई है कि लोग टकटकी लगाकर देख रहे हैं। माता की ऐसी ही प्रतिमा विराजित की गई है जिसे देखकर लगता है कि सौम्या स्वरूप में माता साक्षात विराजित है सोशल मीडिया पर भी माता की इन प्रतिमाओं के फोटो वायरल हो रहे हैं और लोग हतप्रभ होकर कला को धन्यवाद दे रहे हैं।

छत्तीसगढ़ रजत जयंती महोत्सव के अवसर पर रामकृष्ण राठौर शासकीय पॉलीटेक्निक जांजगीर में एल्युमिनी मीट-2025 का किया गया आयोजन

जांजगीर-चांपा -

छत्तीसगढ़ रजत जयंती महोत्सव के अवसर पर रामकृष्ण राठौर शासकीय पॉलीटेक्निक जांजगीर में एल्युमिनी मीट-2025 का आयोजन किया गया। प्राचार्य रामकृष्ण राठौर शासकीय पॉलीटेक्निक जांजगीर ने बताया कि कार्यक्रम में संस्था के पूर्व छात्र जो देश के विभिन्न शहरों में प्रतिष्ठित उद्योगों में कार्यरत हैं उन्हें आमंत्रित किया गया था, कार्यक्रम में इस संस्था के 200 पूर्व विद्यार्थीगण शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने संस्था के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभव साझा किये। कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता गणित डॉ. गोपी साव के द्वारा किया गया।

एसडीएम ने गरबा आयोजन समिति की बैठक ली, दिये निर्देश

जांजगीर चांपा। नवरात्रि पर्व के दौरान गरबा महोत्सव कार्यक्रम को सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए अनुविभागीय अधिकारी (रा.) जांजगीर श्री सुब्रत प्रधान की अध्यक्षता में गरबा आयोजन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आयोजकों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए एसडीएम ने बताया जिले के सभी कार्यक्रम रात्रि 10 बजे तक अनिवार्य रूप से समाप्त किए जाएं। उन्होंने आयोजन स्थलों पर पर्याप्त प्रकाश, पार्किंग एवं सुरक्षा की समुचित व्यवस्था करने कहा । एसडीएम ने समिति के पदाधिकारियों से अपील की कि वे श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखें और प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए गरबा महोत्सव कार्यक्रम गरिमामय ढंग से संपन्न कराएं।

जल संरक्षण को बढ़ावा देने जिला स्तरीय जल बजट प्रशिक्षण सम्पन्न

कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन एवं सीईओ श्री गोकुल रावटे के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायतों में वाटर बजट की तैयारी

जांजगीर-चांपा कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन एवं जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गोकुल रावटे की अध्यक्षता में जिले में जल संरक्षण और जल प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के माध्यम से जल संरक्षण को बढ़ावा देने जिला स्तरीय जल बजट प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम पंचायत स्तर तक विस्तृत जल बजट प्रपत्र तैयार किए गए, जिनमें वर्षा जल की उपलब्धता, मिट्टी में नमी, रनऑफ, भूजल भंडारण एवं वाष्पीकरण

जैसे पहलुओं का वैज्ञानिक आकलन किया गया। समर्थ फाउंडेशन के श्री देवीदास द्वारा जल संकट की स्थिति के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने बताया भू-जल कुएँ सूख रहे हैं अथवा उनका स्तर तेजी से घट रहा है। जिले के कई गाँवों में भूजल का स्तर घटने से पेयजल स्रोत प्रभावित हो रहे हैं। कार्यक्रम में जनपद पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी, आर ई एस, एसडीओ मनरेगा कार्यक्रम अधिकारी, तकनीकी सहायक एवं अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जल बजट तैयार करने की प्रक्रिया पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान ग्राम पंचायत जल संरक्षण संरचनाओं की क्षमता दर्ज करना। आगामी दिनों में जल बजट के माध्यम से की गई तैयार कार्य योजना के माध्यम से गांव में कार्य किया जाएगा। भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कार्य योजना तैयार करना है। इस अभिनव पहल से स्पष्ट है कि जल संकट जैसी गंभीर चुनौती का समाधान केवल योजनाबद्ध जल प्रबंधन और सामूहिक प्रयास से ही संभव है। जिले में तैयार किए गए ये वॉटर बजट आने वाले समय में गाँव-गाँव के जल संरक्षण कार्यों की दिशा तय करेंगे।

जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आवेदकों ने जनदर्शन में सुनाई अपनी समस्या

कलेक्टर ने सुनी आम नागरिकों की मांग और समस्याएं, प्राप्त आवेदन पर जल्द कार्रवाई के निर्देश

जांजगीर-चांपा

कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याओं, शिकायतों और मांगों को गंभीरता से सुना। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में आज कुल 41 आवेदन प्राप्त हुए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर, संयुक्त कलेक्टर श्री संदीप ठाकुर उपस्थित थे।

जनदर्शन में आज ग्राम सरहर के श्री उमशंकर चौहान द्वारा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना का लाभ दिलाने, तहसील पामगढ़ के ग्राम लोहर्सी निवासी श्री अशोक कुमार द्वारा त्रुटि सुधार कराने, तहसील जांजगीर के ग्राम पंचायत बिरगहनी निवासी श्री लकेश्वर महंत द्वारा राशनकार्ड बनवाने, तहसील अकलतरा के ग्राम कोटमीसोनार निवासी श्री संजय सोनी द्वारा प्रोत्साहन राशि दिलाने, तहसील बम्हनीडीह निवासी ग्राम पिसौद के श्री भागवत प्रसाद द्वारा प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत लोन दिलाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने सभी आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक आवेदन का प्राथमिकता के साथ निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

सभापति ने किया साहू के संघ के नवनिर्वाचित प्रदेशाध्यक्ष का स्वागत

प्रदेश सहित क्षेत्रों में समाजिक हितों में अनेकों कार्य किये चर्चा

जांजगीर-चाम्पा।

जिला मुख्यालय जांजगीर के केरा रोड़ स्थित भक्त माता कर्मा भवन में आयोजित साहू संघ द्वारा प्रदेश पदाधिकारियों का अभिनंदन समारोह कार्यक्रम के समापन पश्चात छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष व प्रदेश पदाधिकारियों का जिला पंचायत जांजगीर-चाम्पा के सभापति राजकुमार साहू ने राष्ट्रीय राजमार्ग सुकली स्थित जगमोहन फ्यूल्स में स्वागत किया गया। इस दौरान सभापति श्री साहू नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष व प्रदेश पदाधिकारियों का शाल, श्रीफल एवं फूल-माला से स्वागत कर समाजिक हितों के बारे में चर्चा किये। स्वागत के दौरान प्रदेश अध्यक्ष डॉ.नरेंद्र साहू के आलावा प्रदेश साहू संघ उपाध्यक्ष सत्यप्रकाश साहू, प्रदेश साहू संघ उपाध्यक्ष डॉ.तिलकराम साहू, महिला प्रदेश साहू संघ उपाध्यक्ष साधना साहू, प्रदेश साहू संघ संगठन सचिव सुनील साहू, प्रदेश साहू संघ संगठन सचिव श्रीमति चंद्रवती साहू, प्रदेश संयुक्त सचिव साहू संघ श्रीमती बिना साहू, प्रदेश साहू संघ संयुक्त सचिव प्रदीप साहू,जी भुनेश्वर साहू, मनहरण साहू बोधराम साहू , लक्षमण साहू , युवराज साहू, जगमोहन साहू, श्रीमती बीना साहू, शनि साहू, सँजय साहू, तहसील अध्यक्ष नोहर साहू, जीवन साहू, ईश्वरी साहू, आचार्य अमित मिश्रा, अमित सिंह सहित समाज के अन्य पदाधिकारी व सदस्यगण मौजूद रहे।

खास खबर

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस का आयोजन 1 अक्टूबर को

कोरबा - कलेक्टर श्री अजीत वसंत के निर्देषन में जिले में वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा, संरक्षण एवं सम्मान के प्रति जन सामान्य में चेतना विकसित करने हेतु प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 01 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस का आयोजन किया जाएगा। उक्त आयोजन में वरिष्ठ नागरिकों के लिए सम्मान समारोह, कार्यषाला, सेमीनार, जागरूकता षिविरों आदि का आयोजन षासकीय एवं अषासकीय संस्थाओं के सहयोग से कराया जाएगा। कलेक्टर ने जिला मुख्यालय से लेकर खण्ड स्तर, नगर निगम, नगर पालिका तथा नगर पंचातयों में अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस का आयोजन कराने एवं किए गए कार्यक्रम की प्रतिवेदन के साथ फोटोग्राफ इत्यादि जिला कार्यालय समाज कल्याण कोरबा को उपलब्ध कराना सुनिष्चित करने हेतु निर्देषित किया है।

निर्मला महिला बुनकर सहकारी समिति उमरेली के संचालक मण्डल सदस्यों के निर्वाचन के लिए निर्वाचन कार्यक्रम जारी

कोरबा (आरएनएस)। विकासखंड करतला के निर्मला महिला बुनकर सहकारी समिति मर्यादित उमरेली, पंजीयन क्रमांक 220 हेतु संचालक मण्डल के सदस्यों के निर्वाचन हेतु निर्वाचन कार्यक्रम जारी किया गया है। जिसके अंतर्गत 04 अक्टूबर 2025 प्रातः 11:30 बजे से दोपहर 03:30 बजे तक नामांकन पत्र समिति कार्यालय में प्रस्तुत किया जाएगा। 12 अक्टूबर 2025 को सोसायटी की विषेष साधारण सम्मिलन में प्रातः10 बजे से दोपहर 03 बजे तक मतदान एवं मतदान के एक घंटे के बाद समिति कार्यालय में मतगणना आयोजित की जाएगी। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष अन्य सोसायटियों के प्रतिनिधियों के निर्वाचन 18 अक्टूबर 2025 को समय 11:30 बजे से 3:30 बजे तक समिति कार्यालय में आयोजित की जाएगी। सदस्य निर्वाचन कार्यक्रम के संबंध में अधिक जानकारी के लिए सोसायटी के सूचना पटल का अवलोकन कर सकते हैं।समिति के संचालक मण्डल के सदस्यों के निर्वाचन हेतु श्री दीपक सिंह कंवर सहकारी निरीक्षक, कार्यालय उप आयुक्त सहकारिता एवं उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं कोरबा को रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किया गया है।

गेवरा-दीपका क्षेत्र के प्रमुख कोल ट्रांसपोर्टर और व्यवसायी अमन बाजवा की सड़क हादसे में मौत

कोरबा,। गेवरा-दीपका क्षेत्र के प्रमुख कोल ट्रांसपोर्टर और व्यवसायी अमन बाजवा उर्फ तलविंदर सिंह उम्र 34 तथा उनकी मां की सड़क हादसे में मौत हो गई। वहीं जबकि उनके मौसा गंभीर रूप से घायल हैं। मिली जानकारी के अनुसार अमन बाजवा अपने पत्नी और बच्चों से मिलने स्कॉर्पियों वाहन में पंजाब जा रहे थे। उनके साथ में उनकी मां और मौसा भी थे, इसी दौरान मध्य प्रदेश के चित्रकूट के पास बुंदेलखंड नेशनल हाईवे पर वे हादसे का शिकार हो गए।

पीएम सूर्य घर : उजाले के साथ विश्वास की नई सुबह, सुशासन और संकल्प से जगमगाता हर घर

सूरज की किरणों से हितग्राही इकबाल व संजय अग्रवाल ऊर्जा उत्पादन की दिशा में बने आत्मनिर्भर

कोरबा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार द्वारा प्रारंभ की गई प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आज ऊर्जा आत्मनिर्भरता और हरित विकास का प्रतीक बन चुकी है। देश को स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में आगे बढ़ाने तथा आम नागरिकों को सस्ती और सुलभ बिजली उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस योजना की परिकल्पना की गई। प्रधानमंत्री मोदी का स्पष्ट दृष्टिकोण है कि ÷हर नागरिक को ऊर्जा का अधिकार है और यह ऊर्जा पर्यावरण के अनुकूल तथा विकास को बढ़ावा देने वाली होनी चाहिए।÷ इसी विजन को मूर्त रूप देने के लिए छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर घर-घर में रोशनी पहुँचाने का लक्ष्य रखा गया है।

यह योजना सिर्फ बिजली उत्पादन का साधन नहीं है, बल्कि यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ा कदम है। बढ़ती जनसंख्या, औद्योगिक विकास और बदलते जीवन-स्तर के साथ बिजली की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता से न केवल पर्यावरण प्रदूषण बढ़ता है, बल्कि लागत पर भी अधिक बोझ पड़ता है। ऐसे में सौर ऊर्जा जैसे अक्षय स्रोतों का अधिकतम उपयोग करना समय की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना इसी दिशा में एक क्रांतिकारी पहल है, जो आमजन को उनके घर की छत पर ही स्वच्छ और मुफ्त बिजली का विकल्प उपलब्ध कराती है।

छत्तीसगढ़ राज्य में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में इस योजना का सफल क्रियान्वयन किया जा रहा है। राज्य सरकार ने सुनिश्चित किया है कि अधिक से अधिक नागरिक इस योजना से लाभान्वित हों। इसके लिए जिला प्रशासन और विभागीय अधिकारियों द्वारा पोर्टल के माध्यम से आवेदन की प्रक्रिया को सरल बनाया गया है और लाभार्थियों को सब्सिडी सीधे उनके बैंक खातों में प्रदान की जा रही है। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत घरेलू उपभोक्ताओं को 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली की सुविधा दी जाती है। योजना का सबसे बड़ी लाभ की बात यह है कि इसमें लाभार्थियों को 60 प्रतिशत तक की सब्सिडी उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है और तकनीकी सहयोग भी उपलब्ध कराया जाता है। इससे न केवल घरों और व्यवसायों में बिजली की आवश्यकताएँ पूरी होती हैं, बल्कि अतिरिक्त ऊर्जा ग्रिड को दी जा सकती है, जिससे बिल में और भी राहत मिलती है।

यह योजना लोगों के जीवन में व्यापक परिवर्तन ला रही है। पहले जहाँ बिजली खर्च आम नागरिकों के लिए आर्थिक बोझ बना रहता था, वहीं अब लोग अपने घर की छत पर स्थापित सौर पैनलों से आत्मनिर्भर बन रहे हैं। इससे न केवल उनकी मासिक आय में बचत हो रही है, बल्कि वे पर्यावरण संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ ऊर्जा देने की दिशा में भी अहम योगदान दे रहे हैं।

आज कोरबा सहित छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में सैकड़ों परिवार और व्यवसायी इस योजना से लाभ उठा रहे हैं। यह बदलाव केवल आर्थिक राहत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लोगों की सोच और जीवनशैली में सकारात्मक परिवर्तन का प्रतीक भी है। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की इस दूरदर्शी पहल ने ऊर्जा के क्षेत्र में एक नई क्रांति की शुरुआत की है, जो न केवल राज्य बल्कि पूरे देश के लिए आदर्श बन रही है। जिले के कसनिया गाँव के इकबाल सिंह और संजय अग्रवाल जैसे नागरिक बताते हैं कि योजना से उन्हें नई ऊर्जा मिली है।

इकबाल सिंह (होटल व्यवसायी) ने कहा मैं कई वर्षों से होटल व्यवसाय से जुड़ा हूँ। हमारे यहाँ रोज़ाना बहुत से ग्राहक आते हैं और उनके लिए आरामदायक माहौल बनाना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी होती है। पहले मुझे चिंता रहती थी कि इतनी बड़ी व्यवस्था में ऊर्जा की लगातार आवश्यकता कैसे पूरी होगी। लेकिन जब मुझे प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की जानकारी मिली, तो लगा जैसे मेरे जीवन की एक बड़ी समस्या का समाधान मिल गया हो। योजना की प्रक्रिया बेहद सरल और पारदर्शी रही। आज मेरे होटल का संचालन पूरी तरह सौर ऊर्जा पर आधारित है। अब न केवल मेरे व्यवसाय को मजबूती मिली है, बल्कि मैं यह भी महसूस करता हूँ कि सूरज की रोशनी ही मेरे कारोबार की असली ताकत बन चुकी है।

सबसे बड़ी खुशी यह है कि अब मैं अपने व्यवसाय को पर्यावरण के अनुकूल भी बना पाया हूँ। मुझे गर्व है कि मैं आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वातावरण की दिशा में योगदान दे रहा हूँ। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का धन्यवाद करता हूँ, जिन्होंने हम जैसे व्यवसायियों को आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया।

संजय अग्रवाल (व्यवसायी) ने कहा मेरा मानना है कि हर व्यक्ति चाहता है कि उसका घर रोशनी से भरा रहे और परिवार को कभी किसी तरह की असुविधा न हो। पहले मैं सोचता था कि घर की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करना हमेशा एक बड़ी चुनौती रहेगी। लेकिन जब मैंने प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना को अपनाया, तो मेरी सोच ही बदल गई।

आज से 2 अक्टूबर तक ओपन थियेटर मैदान घंटाघर में होगा भव्य रामलीला का आयोजन

कोरबा संवाददाता।।

प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने कल घंटाघर ओपन थियेटर मैदान स्थित रामलीला स्थल पहुंचकर रामलीला आयोजन की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होने भव्य रामलीला आयोजन हेतु की जा रही तैयारियों के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए, इस मौके पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत, भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी, वरिष्ठ पार्षद अशोक चावलानी, नरेन्द्र पाटनवार, आकाश श्रीवास्तव, नोडल अधिकारी अखिलेश शुक्ला सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की पहल पर पहली बार भव्य रामलीला एवं दशहरा मेला आयोजन 28 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2025 तक घंटाघर स्थित ओपन थियेटर मैदान में किया जाएगा, यह आयोजन प्रतिदिन सायं 07 बजे से रात्रि 10.30 बजे तक होगा, जिसमें बनारस की प्रसिद्ध रामलीला मण्डली द्वारा रामलीला का मनमोहक मंचन किया जाएगा, साथ ही आयोजन में भव्य लेजर शो से रामायण का प्रदर्शन व भव्य आतिशबाजी तथा रावण दहन का कार्यक्रम भी रखा गया है। शनिवार को प्रदेश के उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन घंटाघर पहुंचे तथा रामलीला स्थल की तैयारियों का अवलोकन किया। उन्होने इस मौके पर तैयारियों के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

तैयारियों को दिया जा रहा अंतिम रूप - रामलीला तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है, जिसके तहत मंच व्यवस्था, बैठक व्यवस्था, राम दरबार मंच, दर्शक दीघा, मंच संचालन , बेरिकेटिंग, डेकोरेशन एवं लाईटिंग व विद्युत व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, प्रसाद वितरण व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, साफसफाई सहित अन्य विभिन्न व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

विविध तिथियों में होंगे विभिन्न कार्यक्रम - भव्य रामलीला एवं दशहरा मेला का आयोजन 28 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक किया जाएगा, निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 28 सितम्बर को पुष्पवाटिका प्रसंग, धनुष यज्ञ, लक्ष्मण परशुराम संवाद, रामतिलक प्रसंग, मंथरा कैकेई संवाद, 29 सितम्बर को रामबन गमन, केंवट प्रसंग, दशरथ देवलोक गमन, भरत मिलाप, 30 सितम्बर को पंचवटी प्रसंग, सीताहरण, राम हनुमान मिलन, राम सुग्रीव मैत्री, बाली वध, अशोक वाटिका प्रसंग एवं लंका दहन, 01 अक्टूबर को सेतुबंध, अंगद रावण संवाद, लक्ष्मण शक्ति, मेघनाथ रावण वध व राज्याभिषेक तथा अंतिम दिवस 02 अक्टूबर को लेजर शो में रामायण प्रदर्शन, आतिशबाजी एवं रावण दहन के कार्यक्रम रखे गए हैं।

कोरबा पश्चिम में प्रस्तावित 2 म660 मेगावॉट क्षमता की ताप विद्युत परियोजना के लिए इंडियन रेलवे फाइनेंस कारपोरेशन से ऋण अनुबंध

कोरबा-रायपुर । छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी की महत्वाकांक्षी 2इ660 मेगावॉट क्षमता की कोरबा सुपर क्रिटिकल ताप विद्युत परियोजना के क्रियान्वयन हेतु स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी द्वारा इंडियन रेलवे फाइनेंस कारपोरेशन से 12,640 करोड़ रुपये का ऋण अनुबंध हस्ताक्षरित किया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस परियोजना का कार्यारंभ मार्च 2025 में किया गया था। बिलासपुर में आयोजित इस कार्यक्रम में राज्यपाल श्री रमेन डेका, मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय , अध्यक्षगण श्री सुबोध कुमार सिंह, डॉ. रोहित यादव, प्रबंध निदेशकगण श्री एस के कटियार, श्री आर.के.शुक्ला , श्री भीम सिंह कंवर भी उपस्थित थे। इस कार्य को गति देने के लिये वित्त व्यवस्था का कार्य तेजी से किया जा रहा था जिसमें महत्वपूर्ण सफलता मिली और ऋण अनुबंध निष्पादित किया गया । इसमें पॉवर कंपनी की ओर से श्री संदीप मोदी ,कार्यपालक निदेशक(वित्त) एवं श्री सीएल नेताम कार्यपालक निदेशक(परियोजना) एवं आई आर एफसी की ओर से श्री नव गोयल(महाप्रबंधक) द्वारा रायपुर में शुक्रवार को अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए। लंबी अवधि एवं कम दरों पर प्राप्त ऋण से परियोजना को वित्तीय स्थिरता प्राप्त होगी एवं परियोजना को समय पर पूर्ण करने में मदद मिलेगी जिससे अंततः प्रदेश की जनता को फायदा होगा। इस मौके पर कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रदेश के ऊर्जा सचिव तथा जनरेशन कंपनी के अध्यक्ष डॉ .रोहित यादव द्वारा प्रसन्नता व्यक्त की गई व देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु हर संभव प्रयास करने पर प्रतिबद्धता जाहिर की गई ।

कलेक्टर अजीत वसंत के खिलाफ शिकायत पर कार्रवाई नही,

कोरबा एजेंसी । छत्तीसगढ़ के पूर्व गृह, जेल एवं सहकारिता मंत्री तथा रामपुर (20) विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक ननकीराम कंवर ने कोरबा कलेक्टर अजीत वसंत के खिलाफशिकायत पर कार्रवाई नहीं होने के कारण आगामी 4 अक्टूबर 2025 को मुख्यमंत्री आवास, रायपुर के सामने धरने पर बैठेने की घोषणा की है। उन्होंने इस आशय की लिखित सूचना कलेक्टर रायपुर को प्रेषित की है। पूर्व गृहमंत्री कंवर ने पत्र के माध्यम से जानकारी दी है कि उन्होंने बीते 21 और 22 सितम्बर को मुख्यमंत्री को 14 बिंदुओं में कलेक्टर के विरुद्ध शिकायत सौंपी थी। साथ ही तीन दिनों के भीतर उन्हें कोरबा से हटाने की मांग की थी। कंवर ने कहा कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद न तो जांच की गई और न ही कार्रवाई, जिससे वे व्यथित हैं और धरने पर बैठने को मजबूर होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि कलेक्टर अजीत वसंत जैसे भ्रष्ट और हिटलरशाही प्रवृत्ति के अधिकारी को सरकार संरक्षण दे रही है। मुख्यमंत्री तक वास्तविक स्थिति नहीं पहुंचाई जा रही और कुछ आईएएस अधिकारियों के दबाव में सरकार गुमराह होकर काम कर रही है।÷

कंवर ने अपने पत्र में कई पुराने घोटालों का भी उल्लेख किया है, जिनमें पीएससी परीक्षा घोटाला, शराब घोटाला, दवा खरीदी घोटाला, कोयला घोटाला, डीएमएफ घोटाला, एनएचएआई सड़क मुआवजा घोटाला शामिल हैं।

बघेल ने एसईसीएल प्रबंधन को चेताया, कहा-मुआवजा और नौकरी के बाद ही हो भू-अधिग्रहण

कोरबा । छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कोरबा जिले के हरदी बाजार का दौरा कर उन लोगों से मुलाकात की, जिनकी भूमि कोयला खदान के लिए अधिग्रहित की जानी है। इस दौरान पूर्व विधायक बोधराम कंवर और अन्य ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं और व्यथा भूपेश बघेल के सामने रखी। उन्होंने कहा कि एसईसीएल प्रबंधन को भूमि अधिग्रहण से पहले प्रभावित लोगों को उचित मुआवजा और रोजगार की गारंटी देनी चाहिए।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने स्पष्ट किया कि बिना मुआवजा और नौकरी के अधिग्रहण न तो न्यायसंगत होगा और न ही ग्रामीणों की सहमति संभव है। उन्होंने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि उनके हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। इससे

पहले छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का हरदी बाजार आगमन पर भव्य स्वागत किया गया। वे यहां भू-विस्थापितों की समस्याओं को सुनने और उनका समाधान तलाशने पहुंचे। इस अवसर पर उनके साथ पूर्व खनिज विकास निगम बोर्ड के अध्यक्ष गिरीश देवांगन और पादप बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष आलोक चंद्राकर विशेष रूप से उपस्थित रहे। कोरबा लोकसभा युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष श्याम नारायण सोनी के नेतृत्व में कॉलेज चैक के पास सैकड़ों एनएसयूआई और युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भूपेश बघेल का भव्य स्वागत किया। कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं और नारों के साथ पूर्व मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। इस मौके पर मुख्य रूप से राष्ट्रीय सोशल मीडिया समन्वयक अभय तिवारी, एनएसयूआई ग्रामीण जिला अध्यक्ष मनमोहन राठौर, शहर जिला अध्यक्ष दीपक कुमार वर्मा, दीपचंद केसरवानी, रवि कुमार सोनी, प्रदेश युवा कांग्रेस महामंत्री शहजाद आलम, दीपेश यादव, कुलदीप राठौर, आशुतोष वर्मा, कमल चंद्रा, विपिन चैरसिया, अभिषेक सिंह, आशिफ खान, यशवर्धन, वेंडी, सौरभ, निखिल, राऊनित कुलदीप, तुला राम सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। भूपेश बघेल ने इस अवसर पर भू-विस्थापितों की समस्याओं पर गंभीर चर्चा की और आश्वासन दिया कि उनकी लड़ाई को पूरी मजबूती से आगे बढ़ाया जाएगा।

कोरबा में नक्सली रामा इचा गिरफ्तार, रायपुर में सक्रिय नक्सली नेटवर्क से जुड़े तार

रायपुर, छत्तीसगढ़ में नक्सल नेटवर्क के खिलाफ सुरक्षा एजेंसियों का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। रायपुर में हाल ही में नक्सलियों की गिरफ्तारी के बाद अब कोरबा से भी एक सक्रिय सहयोगी रामा इचा को स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (SIA) ने हिरासत में लिया है। रामा एक कोयला खदान में कार्यरत था और कई मजदूर संगठनों से उसका सीधा संपर्क था। जांच में सामने आया है कि रामा का संपर्क पहले से गिरफ्तार नक्सली जग्गू कुरसम उर्फरमेश और उसकी पत्नी कमला कुरसम से था।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, जग्गू और कमला रायपुर के विभिन्न इलाकों में लंबे समय से रह रहे थे और बार-बार ठिकाने बदलते थे। ये दोनों बस्तर से आते-जाते रहते थे और हर बार नया ठिकाना तलाशते थे। जग्गू ने राजधानी के झुग्गी क्षेत्रों में कई बड़े नक्सलियों को शरण दी थी। रामा इचा लगातार इस नक्सली दंपति के संपर्क में था और रायपुर आकर उनसे मुलाकात भी करता रहा है। पैसों के लेन-देन के भी साक्ष्य सामने आए हैं।

एसआईए ने शनिवार शाम रामा इचा को गिरफ्तार कर उसे बिलासपुर की एनआईए कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे रिमांड पर भेज दिया गया है। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर दो और लोगों को हिरासत में लिया गया है, हालांकि उन्हें अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। इससे पहले, 23 सितंबर की रात रायपुर के चंगोराभाठा इलाके में एसआईबी, एसआईए और डीडी नगर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में एक नक्सली दंपति को गिरफ्तार किया गया था। पकड़े गए आरोपियों की

पहचान भैरंगढ़ डिवीजनल कमेटी के सदस्य जग्गू कुरसम (28) और उसकी पत्नी कमला कुरसम के रूप में हुई थी। दोनों बीते तीन से चार वर्षों से रायपुर और आसपास के इलाकों में रह रहे थे।

प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ कि जग्गू ने सुरक्षा गार्ड, पोल्ट्री फार्म और निर्माण कार्य जैसे कई छोटे-मोटे काम किए हैं। वह चंगोराभाठा, रायपुरा, अम्लेश्वर, बीरगांव, उरकुरा और सिलतरा जैसे क्षेत्रों में कई बार ठिकाने बदल चुका है। उसके नेटवर्क का दायरा भिलाई, बिलासपुर और कोरबा तक फैला हुआ है।

अब तक पुलिस ने छह संदिग्धों की पहचान की है, जिनमें से एक को कोरबा से गिरफ्तार किया गया है। मामले में जांच और पूछताछ जारी है। सुरक्षा एजेंसियां इसे नक्सली नेटवर्क के शहरी विस्तार की बड़ी कड़ी मान रही हैं।

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत शिविर का किया जा रहा आयोजन

1700 गर्भवती महिलाओं का पंजीयन व किया गया उपचार, 642 उच्च जोखिम वाली महिलाओं को किया गया लाभांवित

कोरबा जिले में 17 सितंबर से 02 अक्टूबर 2025 तक स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान का आयोजन किया जा रहा है। दिनांक 24, 25 एवं 26 सितंबर 2025 को आयोजित प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान में लगभग 1700 गर्भवती महिलाओं का पंजीयन किया गया जिसमे 642 उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाएँ जाँच एवं उपचार हेतु उपस्थित हुई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि 24 से 26 सितंबर को आयोजित प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान छत्तीसगढ़ की महतारी हम सब की जिम्मेदारी थीम स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान का हिस्सा है। इसका उद्देश्य महिलाओं के स्वास्थ्य और पोषण में सुधार करना है। इस अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं गर्भवती महिलाओं की उच्च रक्तचाप, मधूमेह, कैंसर, सिकल सेल ओर एनिमिया जैसी बिमारियों के लिए जॉच की जा रही है तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को मजबूत करने गर्भवती महिलाओं की जॉच, उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं कि पहचान कर उपचार प्रदान किया जा रहा है। साथ ही बच्चों के टीकाकरण किया जा रहा है, किशोरियों में एनिमिया की रोकथाम और स्वस्थ जीवनशैली के बारे में जानकारी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि यह अभियान महिलाओं के स्वास्थ्य और सशक्तिकरण के माध्यम से परिवारों की समग्र भलाई सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

छत्तीसगढ़ में 30 सितंबर को कैबिनेट की बैठक होगी। सीएम विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में दोपहर 3.30 बजे राज्य मंत्रीपरिषद की बैठक मंलात्रय अटल नगर रायपुर में आयोजित की गई हैं। इस मीटिंग में कई महत्वपूर्ण फैसलों पर मुहर लगेगी। साथ ही इस बैठक में अमिताभ जैन को विदाई और नए मुख्य सचिव विकाश शील को वेलकम किया जाएगा।

पखांजूर में अवैध रूप से रह रहे दो बांग्लादेशी गिरफ्तार

आदिवासी समाज ने जताया आक्रोश

कांकेर, जिले के पखांजूर क्षेत्र में अवैध रूप से रह रहे दो बांग्लादेशी नागरिकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई उस वक्त हुई जब दोनों ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए भारत में रहने और स्थानीय पहचान बनाने की कोशिश की। मामले के सामने आने के बाद अब सर्व आदिवासी समाज ने इस मुद्दे पर सख्त रुख अपनाया है और प्रशासन से बड़ी कार्रवाई की मांग की है। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान प्रशांत बैरागी और उसके बेटे सुकृति बैरागी के रूप में हुई है, जो बांग्लादेश के जिला खुलना के बोटियाघाट थाना अंतर्गत औसखली गांव के निवासी हैं। जांच में सामने आया कि इन दोनों की वीजा अवधि समाप्त हो चुकी थी, लेकिन फिर भी ये लोग पखांजूर के ग्राम पीवी 127 अनुपपुर में अवैध रूप से रह रहे थे। प्रशांत बैरागी ने अपने बेटे के लिए स्थानीय तहसील कार्यालय में जन्म प्रमाण पत्र बनवाने की कोशिश की और इसके लिए झूठी जानकारी और फर्जी दस्तावेजों का सहारा लिया। तहसीलदार की शिकायत के बाद पुलिस ने दोनों को हिरासत में लिया और उनके वीजा दस्तावेज जब्त कर लिए। फिलहाल दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। इस पूरे मामले को लेकर सर्व आदिवासी समाज के जिला अध्यक्ष कन्हैया उसेंडी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि समाज लंबे समय से इस क्षेत्र में अवैध बांग्लादेशियों की मौजूदगी को लेकर आवाज उठा रहा है, लेकिन प्रशासन की ओर से गंभीरता नहीं दिखाई जा रही। उन्होंने मांग की कि केवल आरोपियों की गिरफ्तारी ही नहीं, बल्कि फर्जी जन्म प्रमाण पत्र जारी करने में शामिल अधिकारियों और कर्मचारियों पर भी सख्त कार्रवाई की जाए।

30 सितंबर को कैबिनेट की बैठक : नए मुख्य सचिव विकासशील का स्वागत, अमिताभ को दी जाएगी विदाई

रायपुर, । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में 30 सितंबर को अपरान्ह साढ़े तीन बजे से मंत्रालय में राज्य मंत्रिमंडल की बैठक होगी। बैठक में निवर्तमान मुख्य सचिव अमिताभ जैन को विदाई दी जाएगी। वहीं, नवनियुक्त मुख्य सचिव विकास शील का स्वागत किया जाएगा। राज्य के निर्माण के बाद यह दूसरा मौका होगा, जब किसी निवर्तमान मुख्य सचिव को कैबिनेट में विदाई दी जाएगी।

इससे पहले पूर्व मुख्य सचिव सुनील कुमार को फरवरी 2014 में कैबिनेट द्वारा विदाई दी गई थी। वहीं, 30 सितंबर को कैबिनेट की बैठक में कुछ अन्य महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए जा सकते हैं।

गौरतलब है कि भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1994 बैच के अधिकारी विकास शील छत्तीसगढ़ के नए मुख्य सचिव बनाए गए हैं। वे केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटने के बाद मंत्रालय में राज्य के 13वें मुख्य सचिव के रूप में पदभार संभालेंगे और मुख्य सचिव अमिताभ जैन की जगह लेंगे। विकास शील का रिटायरमेंट जून 2029 में है।

बंछोरशादीशुदा युवक ने नाबालिग से किया दुष्कर्म, 7 महीने बाद गर्भधारण से खुला राज

अभनपुर, । गोबरा नवापारा थाना क्षेत्र में एक विवाहित युवक को नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। इस सनसनीखेज घटना का खुलासा तब हुआ जब पीड़िता के सात माह के गर्भवती होने की जानकारी उसके परिजनों को मिली। पुलिस के अनुसार, मामला गोबरा नवापारा थाना क्षेत्र के ग्राम हसदा नंबर 02 का है। आरोपी की पहचान राधेलाल यादव (22 वर्ष), पिता महेश यादव, निवासी हसदा नंबर 02 के रूप में हुई है। राधेलाल शादीशुदा है। शिकायत के मुताबिक, आरोपी राधेलाल ने महाशिवरात्रि की रात गांव की एक नाबालिग लड़की को डरा-धमकाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इस घटना के बाद, सहमी हुई पीड़िता ने सात महीने तक डर के मारे किसी को कुछ नहीं बताया। जब लड़की का पेट बड़ा दिखने लगा, तो परिजनों ने उससे कड़ाई से पूछताछ की। इसके बाद, लड़की ने हिम्मत जुटाकर अपने साथ हुई पूरी आपबीती सुनाई। परिजनों ने तत्काल पीड़िता को लेकर गोबरा नवापारा थाना पहुंचकर आरोपी युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी राधेलाल यादव को गिरफ्तार कर लिया और उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

जवाहर नगर मंडल सेवा पखवाड़ा आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान की कार्यशाला

रायपुर जवाहर नगर मंडल द्वारा सेवा पखवाड़ा 2025 आत्म निर्भर भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत जवाहर नगर मंडल की एक कार्यशाला का आयोजन दिनांक तात्यापारा वार्ड 36 स्थित श्री दुलार धर्मशाला बढ़ई पारा में किया जा रहा है जिसमें मुख्य अतिथि उत्तर विधान सभा के विधायक पुरंदर मिश्रा,मुख्यवक्ता के रूप में श्री चंद सुंदरानी जी,वक्ता श्री तुषार चोपड़ा जी,श्री सतीश छूगनी जी तात्यापारा वार्ड की पार्षद एवं जोन 7 की अध्यक्ष श्वेता विश्वकर्मा जी,इंदिरा गांधी वार्ड के पार्षद श्री अवतार सिंह बागल जी मंडल प्रभारी के साथ प्रदेश,जिले,मंडल,वार्ड के पदाधिकारीगण मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे। आत्मा निर्भर भारत की कार्यशाला के संबंध में जवाहर नगर मंडल के अध्यक्ष संदीप जंघेल ने बताया कि यह कार्यशाला लोगों को समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने ।

गोदड़ीवाला धाम पहुंचे मुख्यमंत्री विष्णुदेव

प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना

रायपुर, 29 सितम्बर 2025

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय कल देर रात राजधानी रायपुर के देवपुरी स्थित गोदड़ीवाला धाम पहुंचे, जहाँ उन्होंने संत शिरोमणि बाबा हरदास राम साहिब जी की 34वीं बरसी महोत्सव में शामिल होकर संत परंपरा को नमन किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने श्री गोदड़ीवाला धाम में स्थापित संत गेला राम साहिब जी की प्रतिमा के समक्ष मत्था टेककर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा ङ्क ÷यह मेरा परम सौभाग्य है कि मुझे संत शिरोमणि बाबा हरदास राम साहिब जी की बरसी महोत्सव में शामिल होने का अवसर मिला। यहाँ देशभर से आए पूज्य संतों के दर्शन का लाभ मिल रहा है। मेरी कामना है कि छत्तीसगढ़ पर संतों का आशीर्वाद सदा बना रहे और घर-घर में खुशहाली एवं समृद्धि हो।÷

मुख्यमंत्री ने बरसी महोत्सव में पधारे देशभर के संत-महात्माओं का छत्तीसगढ़ की पावन भूमि पर हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि श्री गोदड़ीवाला संत बाबा हरदास राम जी का संपूर्ण जीवन मानव सेवा, त्याग और समर्पण का प्रेरणास्त्रोत रहा है। उनके चरण पड़ने से छत्तीसगढ़ की यह धरा धन्य हुई है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि धाम परिसर में समय-समय पर आयोजित निःशुल्क नेत्र जांच शिविर, स्वास्थ्य शिविर और रक्तदान शिविर संत बाबा हरदास राम जी की शिक्षाओं और आदर्शों का जीवंत उदाहरण हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बरसी महोत्सव केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भक्ति, एकता और सामाजिक सेवा का उत्सव है। संत समाज को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ माता कौशल्या का मायका और भगवान श्रीराम का ननिहाल है। उन्होंने कहा कि राजिम में भगवान श्रीराम और माता सीता द्वारा स्थापित कुलेश्वर महादेव आज भी विराजमान हैं। भगवान श्रीराम ने अपने 14 वर्षों के वनवास में से लगभग 10 वर्ष छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर व्यतीत किए। प्रदेशवासी भगवान श्रीराम को आज भी अपना भांजा मानते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार श्रद्धालुओं को भगवान श्रीराम के दर्शन कराने हेतु 'श्री रामलला दर्शन योजना' चला रही है। इस योजना के अंतर्गत पिछले वर्ष 22 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने अयोध्या पहुंचकर श्रीरामलला के दर्शन किए। बरसी महोत्सव में मुख्यमंत्री के साथ विधायक श्री मोतीलाल साहू, विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा, छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष श्री संजय श्रीवास्तव, रायपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री नन्द कुमार साहू, छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफकॉमर्स के अध्यक्ष श्री अनिल थौरानी, श्री ललित जयसिंह, श्री श्रीचंद सुंदरानी सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की बड़ी सौगात : जिले के दो सड़कों के निर्माण के लिए 11 करोड़ 44 लाख रुपए की मंजूरी, झारखंड राज्य को जोड़ेगी यह मार्ग, आवागमन की बढ़ेगी सुविधा

जशपुरनगर, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में ग्रामीण अंचलों के विकास की दिशा में लगातार ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जशपुर जिले के दुलदुला क्षेत्र के लिए दो महत्वपूर्ण सड़क निर्माण कार्यों को मंजूरी दी गई है।पहला मार्ग छेरडांड से टुकुटोली पहुँच मार्ग है, जिसकी लागत 5 करोड़ 48 लाख रुपए स्वीकृत हुई है। यह सड़क बनने से ग्रामीण अंचल के लोगों को आने-जाने में बड़ी सुविधा होगी और क्षेत्र के कृषि एवं व्यापारिक गतिविधियों को भी मजबूती मिलेगी। वहीं दूसरा मार्ग टुटिअम्बा से कादोपानी, झारखंड पहुँच मार्ग तक का निर्माण है, जिसके लिए 5 करोड़ 96 लाख रुपए की मंजूरी दी गई है। यह सड़क न केवल छत्तीसगढ़ के ग्रामीणों को सुविधा प्रदान करेगी बल्कि सीधे झारखंड राज्य को भी जोड़ेगी, जिससे दोनों राज्यों के बीच आवागमन, व्यापार और सामाजिक संपर्क और सुदृढ़ होगा। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को इस सौगात के लिए आभार जताया और कहा कि सड़कों का जाल बिछने से क्षेत्र का समग्र विकास होगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जिले को एक के बाद एक सौगातें मिल रही हैं,सड़क निर्माण के लिए मिली नई मंजूरियों से अब गांव–गांव तक आवागमन सुगम होगा।

CGPSC घोटाला : CBI ने टामन सिंह सोनवानी को मास्टरमाइंड घोषित किया

2000 पन्नों का सप्लीमेंट्री चालान दाखिल

रायपुर संवाददाता।

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (CGPSC) घोटाले की जांच में केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) ने बड़ा कदम उठाया है। एजेंसी ने स्पेशल कोर्ट में करीब 2000 पन्नों का पहला सप्लीमेंट्री चालान दाखिल किया है। इसमें कई अहम खुलासे किए गए हैं और नए आरोपियों को शामिल किया गया है।

सोनवानी मास्टरमाइंड, चार और पर गाज

CBI ने टामन सिंह सोनवानी को घोटाले का मास्टरमाइंड करार दिया है। चालान में आरती वासनिक, जनक राम ध्रुव, निशा कोसले और दीपा आडील को भी आरोपी बनाया गया है। चालान में सबूतों, गवाहों और बरामद दस्तावेज़ों के आधार पर इन सभी की भूमिका का विस्तार से उल्लेख किया गया है।

फिलहाल सभी आरोपी न्यायिक रिमांड पर जेल में बंद हैं।

2020–22 की भर्तियों में गड़बड़ी

यह घोटाला 2020 से 2022 के बीच हुई भर्ती प्रक्रियाओं से जुड़ा है। आरोप है कि आयोग की परीक्षाओं और इंटरव्यू में पारदर्शिता को दरकिनार कर राजनीतिक और प्रशासनिक रसूखदार परिवारों के उम्मीदवारों को उच्च पदों पर चयनित कराया गया। इस दौरान योग्य उम्मीदवारों को नजरअंदाज कर डिप्टी कलेक्टर, डीएसपी और अन्य राजपत्रित पद ÷अपने नजदीकी लोगों÷ को दिलवाए गए।

भर्ती प्रक्रिया और छापेमारी

CGPSC परीक्षा 2021 में 171 पदों के लिए भर्ती परीक्षा आयोजित हुई।

प्री-एग्जाम 13 फरवरी 2022 को हुआ, जिसमें 2,565 अभ्यर्थी पास हुए।

26 से 29 मई 2022 तक हुई मेंस परीक्षा में 509 अभ्यर्थी सफल हुए।

इंटरव्यू के बाद 11 मई 2023 को 170 अभ्यर्थियों की सिलेक्शन लिस्ट जारी हुई।

CBI की छापेमारी में कई आपत्तिजनक दस्तावेज़ और साक्ष्य मिले, जिनसे गड़बड़ी की पुष्टि हुई।

अब तक 12 गिरफ्तारियाँ

इस घोटाले में अब तक कुल 12 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। ष्टक्चढ्ढ का मानना है कि आयोग की भर्ती प्रणाली में व्यवस्थित तरीके से हेरफेर कर योग्य उम्मीदवारों के भविष्य से खिलवाड़ किया गया।

जल्द ही टेकस्टार स्टार्टअप वीकेंड का आयोजन होगा

युवाओं को मिलेगा स्टार्टअप शुरू करने का अवसर

यह अवसर युवाओं को जॉब-सीकर से जॉब

धमतरी, संवाददाता।

छत्तीसगढ़ को विश्वस्तरीय आईटी हब और वैश्विक क्षमता के केंद्र के रूप में विकसित करने के प्रयासों की कड़ी में धमतरी में पहली बार जल्दीटेकस्टार स्टार्टअप वीकेंड का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन कलेक्टर श्री अभिनाश मिश्रा के मार्गदर्शन तथा विकासगढ़ एवं टेकस्टार के संयुक्त तत्वावधान में होगा। इस संबंध में कलेक्टर की आगामी 29 सितम्बर (सोमवार) को प्रेस वार्ता प्रस्तावित है । प्रेस वार्ता में टेकस्टार स्टार्टअप वीकेंड की विस्तार से जानकारी दी जाएगी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य राज्य के युवाओं को स्टार्टअप की दिशा में प्रोत्साहित करना, उनके व्यावसायिक विचारों को मूर्त रूप देना और आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराना है। आयोजन में सीईओ जिला पंचायत धमतरी, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला मिशन प्रबंधक, जिला परियोजना अधिकारी तथा समग्र शिक्षा धमतरी के अधिकारी भी शामिल होंगे। कार्यक्रम का संचालन विकासगढ़ के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री मेराज मीर और सह-संस्थापक सुश्री सानिया शेख करेंगे। श्री मीर ने बताया कि यह केवल एक वैश्विक कार्यक्रम का शुभारंभ नहीं है, बल्कि छत्तीसगढ़ में उद्यमिता के एक नए युग की शुरुआत है। इस अवसर पर टेकस्टार के प्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे, जिससे संगठन का दीर्घकालिक जुड़ाव स्थापित होगा। टेकस्टार स्टार्टअप वीकेंड प्रतिभागियों को 54 घंटे का गहन अनुभव प्रदान करेगा। इसमें युवा अपने विचार प्रस्तुत करेंगे, टीमें बनाएंगे, प्रोटोटाइप तैयार करेंगे और अपने स्टार्टअप विज़न को विशेषज्ञों के सामने रख सकेंगे। इस कार्यक्रम से धमतरी ही नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ को स्टार्टअप हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि ग्लोबल स्टार्टअप एक्सीलेरेटर टेकस्टार वर्ष 2006 से विश्वभर में स्टार्टअप और एंटरप्रेन्योरशिप गतिविधियों का संचालन कर रहा है। इस संगठन ने अब तक स्टार्टअप्स को लगभग 30.1 बिलियन डॉलर की फंडिंग उपलब्ध कराई है और 22 यूनिकॉर्न कंपनियों को स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई है।

कलेक्टर श्री अभिनाश मिश्रा ने कहा कि यह अवसर युवाओं को जॉब-सीकर से जॉब-प्रोवाइडर बनने की राह दिखाएगा।

छत्तीसगढ़ में ओर लो प्रेशर एरिया : कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

लोकशक्ति

छत्तीसगढ़ के अलग-अलग जिलों में झमाझम बारिश की चेतावनी जारी की गई है। मौसम का मानसून की विदाई से पहले मध्य छत्तीसगढ़ के अलग-अलग जिलों में झमाझम बारिश हो रही है। रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर संभाग के बाद अब बस्तर संभाग में भारी बारिश की संभावना है। दंतेवाड़ा में कल रात से बारिश हो रही। मौसम विभाग की मानें तो निम्न दबाव का असर दक्षिण छत्तीसगढ़ पर ज्यादा नजर आ रहा है। मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़ के कई जिलों में गरज चमक के साथ भारी बारिश की चेतावनी दी है।

मौसम विभाग के अनुसार, कम दबाव का क्षेत्र दक्षिण ओडिशा तट को पार कर गया है। यह दक्षिणी आंतरिक ओडिशा पर मौजूद है। इसके दक्षिणी ओडिशा और दक्षिणी छत्तीसगढ़ से होते हुए पश्चिम की ओर बढ़ने का अनुमान है। यह अगले 24 घंटों के दौरान एक स्पष्ट निम्न दबाव वाले क्षेत्र के रूप में बदल जाएगा। इसके बाद यह कमजोर भी होना शुरू होगा। हालांकि उससे पहले यह कई हिस्सों में जोरदार बारिश कराएगा।

दशहरा पर पानी के आसार

मौसम विभाग के अनुसार, छत्तीसगढ़ में अगले दो दिनों के दौरान ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान है। मौसम विभाग ने 27 और 30 सितंबर से 3 अक्टूबर तक छत्तीसगढ़ में विभिन्न स्थानों पर गरज चमक के साथ झमाझम बारिश की संभावना जताई है। इस दौरान कुछ स्थानों पर भारी बारिश भी हो सकती है। मौसम में आए बदलाव से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। दंतेवाड़ा में भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ है। बीजापुर जिले में सबसे अधिक 56 मिमी बारिश रिकार्ड की गई है।

इन जिलों में फिर बदलेगा मौसम

रायपुर मौसम विज्ञान केंद्र ने छत्तीसगढ़ के सुकमा, बीजापुर, दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा, बस्तर, नारायणपुर, कोंडागांव, उत्तर बस्तर कांकेर, धमतरी, बालोद, राजनांदगांव, गरियाबंद, महासमुंद, रायपुर, बलौदा बाजार, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, बिलासपुर, जशपुर, दुर्ग, बेमेतरा, कबीरधाम, मुंगेली, सुरगुजा, बलरामपुर जिलों के अलग-अलग हिस्सों में गरज चमक के साथ जोरदार बारिश की चेतावनी दी है। अलग-अलग जगहों पर जोरदार बारिश का ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया गया है। कुछ जगहों पर आकाशीय बिजली गिरने की घटनाएं हो सकती हैं। मौसम खराब रहने के दौरान अचानक तेज हवाएं चल सकती हैं। हवा की रफ्तार 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे रहने की संभावना है।

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला महुदा के दो शिक्षक निलंबित

दुर्ग, जिला शिक्षा विभाग ने जिले के पाटन विकासखंड के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला महुदा में पदस्थ दो शिक्षकों को गंभीर कदाचार और लापरवाही के आरोपों में निलंबित कर दिया है। संभागीय संयुक्त संचालक, शिक्षा संभाग दुर्ग आरएल ठाकुर ने आदेश जारी करते हुए शिक्षक एलबी प्रफुल्ल साहू और शिक्षिका एलबी सीमा शर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। शिकायत के अनुसार शिक्षक प्रफुल्ल साहू ने त्रैमासिक परीक्षा ड्यूटी के दौरान एक छात्र से अपना मोबाइल लेकर सेल्फी स्टैंड के साथ वीडियो व फोटो बनवाए। इसके अलावा प्रार्थना के समय सहकर्मी शिक्षिका श्रुति मिश्रा पर टिप्पणी करते हुए उपहास किया और पढ़ाई के समय हारमोनियम बजाने की भी पुष्टि जांच में हुई। इस कृत्य को विभाग ने अत्यंत गंभीर माना है। जांच दल की रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि शिक्षक प्रफुल्ल साहू और शिक्षिका सीमा शर्मा ने स्टॉफ रूम को छोड़कर अलग कक्ष में बैठना शुरू कर दिया था। इस आचरण से विद्यालय का वातावरण दूषित हुआ और स्टॉफ के बीच तनाव का माहौल बन गया। आदेश में कहा गया कि दोनों के इस व्यवहार से विद्यालय की छवि धूमिल हुई और बच्चों की पढ़ाई व अन्य गतिविधियों पर प्रतिकूल असर पड़ा। जां में यह तथ्य भी सामने आया कि सीमा शर्मा मध्यान्ह भोजन (एमडीएम) की प्रभारी थी, लेकिन उनके द्वारा बच्चों को न तो पर्याप्त मात्रा में भोजन दिया गया और न ही निर्धारित मेनू के अनुसार परोसा गया। इस लापरवाही से बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा, जबकि सरकार का उद्देश्य कुपोषण कम करना और शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाना है। संभागीय संयुक्त संचालक ने आदेश में उल्लेख किया कि शिक्षकों के इस कृत्य से अभिभावकों और ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। यह कार्य न केवल शासकीय कार्य के प्रति गैर-जिम्मेदाराना रवैया दर्शाता है, बल्कि छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 का उल्लंघन भी है। इसे गंभीर कदाचार मानते हुए छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के तहत कार्रवाई की गई।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। **संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।**
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily **कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल** (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)